हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 36 ● भिलाई, सोमवार 24 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

आयरन फैक्ट्री के कंट्रोल रूम में अचानक लगी आग, 3 इंजीनियरों की मौत

रांची। झारखंड के रामगढ़ जिले में स्थित एक स्पंज आयरन फैक्टरी के कंट्रोल रूम में अचानक आग लग गई। हादसे में कई मजदूर झुलस गए। घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, मृतकों में तीनों इंजीनियर शामिल हैं। आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर अफरातफरी मच गई। झुलसे लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति का इलाज जारी है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। शुरुआती जानकारी के आधार पर आशंका जताई जा रही है कि कंट्रोल रूम में किसी तकनीकी गड़बड़ी के कारण आग लगी होगी। हालांकि, आग की वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। घटना की सूचना मिलने के बाद संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद प्लांट में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

4 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए एफडीसी दवाओं पर रोक

नई दिल्ली। छोटे बच्चों की सेहत और सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा और अहम फैसला लिया है। सरकार ने चार साल से कम उम्र के बच्चों के लिए क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फेनिलेफ्राइन हाइड्रोक्लोराइड वाले फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) के निर्माण, बिक्री और वितरण पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस संबंध में अधिसूचना जारी करते हुए कहा है कि अब इन दो सामग्रियों वाले किसी भी फॉर्मूलेशन का उत्पादन या बिक्री नहीं की जा सकेगी। साथ ही, कंपनियों के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे इन दवाओं के लेबल पर स्पष्ट चेतावनी लिखें कि इनका इस्तेमाल चार साल से कम उम्र के बच्चों पर नहीं किया जाना चाहिए। सरकार ने इस फैसले के पीछे बच्चों की सुरक्षा को सबसे बड़ा कारण बताया है। दरअसल, यह फैसला एक एक्सपर्ट कमेटी और ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (डीटीएबी) की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

जयपुर। जयपुर जिले में एक भयानक सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई, जिनमें एक दंपत्ति और उनकी दो बहुएं शामिल हैं। यह हादसा सरमथुरा-फलोदी मेगा हाईवे पर फागी से लगभग तीन किलोमीटर दूर माधोराजपुरा रोड पर हुआ।जानकारी के मुताबिक, यह घटना शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे हुई, जब फागी के धामुनियों का मोहल्ला के रहने वाले सत्यनारायण कुम्हार सड़क के किनारे अपने खेत से काटी गई मूंग की फसल सुखा रहे थे। उनकी पत्नी और दो बहुएं भी उनकी मदद कर रही थीं।

नेशनल स्पेस डे पर पीएम मोदी ने युवाओं को दिया बड़ा संदेश

बड़े सपने देखें, अधिक नई चीजें बनाएं और नई सीमाओं को पार करें

नई दिल्ली/ एजेंसी

2026: भारत में 23 अगस्त को नेशनल स्पेस डे के तौर पर मनाया जाता है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने आह्वान किया कि बड़े सपने देखें, अधिक नई चीजें बनाएं और नई सीमाओं को पार करें। पीएम मोदी ने कहा कि हाथ में तिरंगा है, अंतरिक्ष है, 140 करोड़ देशवासियों का सपना है, वही हम सबका संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की शुभकामनाएं। आइए, और भी बड़े सपने देखें, अधिक नई चीजें बनाएं और नई सीमाओं को पार करें। इस अवसर पर पीएम मोदी ने एक वीडियो भी जारी किया। पीएम मोदी ने कहा, मैंने अयोध्या में कहा था कि ये नए कालचक्र की शुरुआत है। यह एक नए कालचक्र का उद्गम है। इस नए काल क्षेत्र में ग्लोबल ऑर्डर में भारत अपना स्पेस लगातार बड़ा बना रहा है। यह हमारे स्पेस प्रोग्राम में भी साफ-साफदिखाई दे रहा है। हम सबने मिलकर 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में स्पेस सेक्टर की भूमिका बहुत बड़ी है। उन्होंने कहा, आज ये जेन-जी इंजीनियर्स, जेन-जी डिजाइनर, जेन-जी कोडर और जेन-जी साइंटिस्ट नई-नई टेक्नोलॉजी बना रहे हैं। प्रोपल्शन सिस्टम हो, कंपोजिट मटेरियल हो, रॉकेट स्टेजेज हो, सैटेलाइट प्लेटफॉर्म्स हो, भारत का युवा आज उन क्षेत्रों में काम कर रहा है, जिनकी कुछ साल पहले कल्पना भी संभव नहीं थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत का प्राइवेट स्पेस टैलेंट पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहा है। आज ग्लोबल इंवेस्टर्स के लिए भारत का स्पेस सेक्टर एक आकर्षक जगह बन रहा है। इसरो की सफलता देखकर कितने ही बच्चों के मन में ये बात आती है कि बड़ा होकर मैं भी वैज्ञानिक बनूंगा।उन्होंने आगे कहा, वो रॉकेट का काउंटडाउन लाखों बच्चों को प्रेरित करता है। हर घर में कागज के हवाई जहाज उड़ाने वाला जो एयरोनॉटिकल इंजीनियर है, वो बड़ा होकर आप जैसा इंजीनियर बनना चाहता है, साइंटिस्ट बनना चाहता है। हाथ में तिरंगा है, अंतरिक्ष है और 140 करोड़ देशवासियों का सपना है, वही हम सबका संकल ?प है। भारत में हर साल 23 अगस्त को नेशनल स्पेस डे मनाया जाता है। यह दिन 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास चंद्रयान-3 मिशन के विक्रम लैंडर की ऐतिहासिक सॉफ्ट लैंडिंग की याद दिलाता है। इस उपलब्धि के साथ, भारत चंद्रमा के इस हिस्से तक पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया। चंद्रयान-3 की सफलता भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुई और इसने दुनिया के सामने देश की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमताओं की बढ़ती ताकत को प्रदर्शित किया। प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों का एक वीडियो साझा करते हुए कहा कि उन्होंने अयोध्या में कहा था कि यह बदलाव के एक नए चक्र की शुरुआत है.

निजी अंतरिक्ष क्षेत्र बना निवेशकों के लिए आकर्षण

प्रधानमंत्री ने देश के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की भी सराहना की. उन्होंने कहा कि भारत की निजी अंतरिक्ष प्रतिभा दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रही है. आज देश का अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है. पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन देश की अगली पीढ़ी के वैज्ञानिकों को प्रेरित कर रहा है. उन्होंने कहा कि इसरो की सफलता देखकर कई बच्चे सोचते हैं कि बड़े होकर वे भी वैज्ञानिक बनेंगे. भारत में हर साल 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया जाता है. यह दिन 2023 में चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफल सॉफ्ट लैंडिंग की याद में मनाया जाता है. भारत चंद्रमा के इस क्षेत्र में पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बना था. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी एक्स पर राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने ट्वस्त्रह्व के वैज्ञानिकों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि चंद्रयान-3 की चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग को अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की मजबूत स्थिति को दुनिया के सामने रखा है.

सज्जन कुमार पर कांग्रेस में दो फाड़

दीपेंद्र हुड्डा ने दी मिसाल, चन्नी बोले-उसकी चर्चा भी पाप...

नई दिल्ली/ एजेंसी

1984 के सिख विरोधी दंगा मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट चुके पूर्व सांसद सज्जन कुमार का हाल ही में निधन हो गया था। उनको लेकर कांग्रेस पार्टी में दो फाड़ देखने को मिल रहा है। रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने सज्जन कुमार के द्वारा किए गए कार्यों को देश के लिए मिसाल कहा, वहीं पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने इसपर सख्त ऐतराज जताया है। उनका कहना है कि सज्जन कुमार की चर्चा करना भी पाप है। आपको बता दें कि दीपेंद्र सिंह हुड्डा सज्जन कुमार के काम को मिसाल के तौर पर पेश करते हुए उनके निधन को देश की राजनीति के लिए एकअपूरणीय क्षति बताया था। पंजाब विधानसभा चुनाव को देखते हुए अपने ही सांसद के बयान ने कांग्रेस पार्टी को असहज कर दिया। पंजाब कांग्रेस के नेताओं ने 1984 की हिंसा के पीड़ितों की संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए हुड्डा के बयान से स्पष्ट रूप से दूरी बना रहे हैं। हुड्डा ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था, 'आज देश को ऐसी क्षति हुई है जिसकी पूर्ति संभव नहीं है। सज्जन कुमार जी ऐसी शख्सियत थे, जिनका दिल्ली और दिल्ली के बाहर के लोगों के साथ जो जुड़ाव था वह एक मिसाल है। देश में उनकी मिसाल दी जाती है कि कैसे वह लोगों के सुख-दुख में साथ निभाते थे। दिल्ली के विकास में जो उनका योगदान रहा है उसको आज तक याद किया जाता है। उसके उदाहरण दिए जाते हैं। उनके जाने से एक बहुत बड़ी क्षति हुई है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें।

तेज रफ्तार बस ने ऑर्केस्ट्रा देख रहे लोगों को रौंदा, 5 की मौत-5 घायल

बेतिया। बिहार के बेतिया में एनएच-727 के बेतिया-लौरिया मार्ग पर शुक्रवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बसवरिया और पराउटोला के बीच गोरखपुर से बेतिया जा रही शाही बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे छठिहार समारोह के दौरान ऑर्केस्ट्रा देख रहे लोगों की भीड़ में जा घुसी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए। मृतकों में दो ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि तीन की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

एनएसए अजीत डोभाल जाएंगे चीन

अजीत डोभाल सीमा विवाद पर चर्चा करेंगे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सोमवार को बीजिंग पहुंचेंगे और सीमा विवाद पर भारत-चीन के विशेष प्रतिनिधियों की बातचीत में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हिस्सा लेंगे। सरकारी सूत्रों के अनुसार, डोभाल और वांग मंगलवार को विशेष प्रतिनिधि वार्ता के 25वें दौर में शामिल होंगे। डोभाल और वांग दोनों ही सीमा वार्ता प्रक्रिया के लिए तय विशेष प्रतिनिधि हैं। यह प्रक्रिया 2003 में 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन सीमा के जटिल मुद्दे को पूरी तरह से सुलझाने के लिए शुरू की गई थी। हालांकि, सीमा विवाद को सुलझाने में इसे सफलता नहीं मिली, लेकिन दोनों तरफ के अधिकारी इस व्यवस्थित प्रक्रिया को अलग-अलग मोर्चों पर दोनों देशों के बीच बार-बार होने वाले तनाव को दूर करने के लिए एक उपयोगी साधन मानते हैं।

हाफिज सईद को गैर जमानती वॉरंट भेजा जा चुका है

अब विदेशी धरती पर बैठे आतंकियों को भी होगी सजा

नई दिल्ली/ एजेंसी

पाकिस्तान में बैठकर भारत में दहशतगर्दी करना वाले आतंकियों को कानून के दायरे में लाने और उनपर शिकंजा करने का तोड़ भारत ने निकाल लिया है। सबसे पहले इसे दुर्दांत आतंकवादी हाफिज सईद पर टेस्ट किया जा रहा है। पहलगाम हमले के मामले में लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद एनआईए हाफिज सईद को समन भेजने वाली है। उसे पहले ही गैर जमानती वॉरंट भेजा जा चुका है। सूत्रों का कहना है कि विदेश मंत्रालय के जरिए उसे समन भेजा जाएगा। अब आतंकियों के विदेश में छिपे रहने के मामले में ऐक्शन लेने का तरीका भारत बदल रहा है। सुत्रों का कहना है कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 356 का यह पहला टेस्ट है। पहली बार है जब भारतीय कोर्ट को विदेश में बैठे आतंकी के खिलाफभी सजा सुनाने का मौका मिल रहा है। यह मामला इसलिए अहम है क्योंकि विदेश में बैठा आतंकी भारत की कोर्ट में चल रहे मामले में इंटरेस्ट नहीं लेगा और पेश होने का सवाल ही नहीं उठता। इसके बाद भारत किस तरह से उसके खिलाफऐक्शन लेता है, यह देखना होगा। सरकार के सूत्रों के मुताबिक अगर कोर्ट से समन जारी किया जाता है और आरोपी की तरफसे कोई प्रतिक्रिया नहीं आती है तो उसे अपराधी की श्रेणी में रखा जा सकता है। इसके बाद बिना किसी राजनयिक बातचीत के उसपर ऐक्शन का रास्ता साफ हो सकता है।

पुणे में राहुल गांधी के कार्यक्रम से पहले सियासी टकराव

पुणे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में पुणे में होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले ही राजनीतिक माहौल गरमा गया है। शिवाजीनगर स्थित सीईओपी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी परिसर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और कांग्रेस की छात्र इकाई नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया के कार्यकर्ताओं के बीच जोरदार झड़प की घटना सामने आई है। घटना के बाद दोनों छात्र संगठनों ने एक-दूसरे पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। झड़प के चलते विश्वविद्यालय परिसर में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया।

सिलीगुड़ी में ऐक्शन मोड में अमित शाह

गोरखा मुद्दे का स्थायी समाधान निकालने के लिए समिति गठित

नई दिल्ली/ एजेंसी

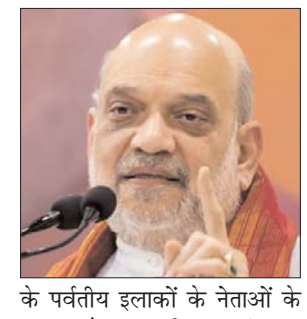

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को पश्चिम बंगाल के दौरे पर ऐक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने न सिर्फसिलिगुड़ी कॉरिडोर (चिकेन नेक) की सुरक्षा का जायजा लिया, बल्कि गोरखा मुद्दे के स्थायी समाधान के लिए एक समिति का भी गठन किया। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ मौजूद अमित शाह ने इस दौरान पश्चिम बंगाल और केंद्रीय बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। अधिकारियों के मुताबिक इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य के पर्वतीय इलाकों के नेताओं के साथ बैठक की। यहां पर संवैधानिक ढांचे के तहत दार्जिलिंग पहाड़ियों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के स्थायी राजनीतिक समाधान तलाशने के मुद्दे पर चर्चा हुई। इस बैठक के बाद भाजपा के दार्जिलिंग सांसद राजू बिस्टा ने कहा कि पहाड़ी समुदायों के संघर्ष का इतिहास चार दशकों से अधिक का है। पिछली वामपंथी और टीएमसी सरकारों ने पहाड़ी लोगों की आकांक्षाओं को कुचल दिया। बिस्टा ने कहा कि बैठक में अलग-अलग समुदायों के प्रतिनिधियों ने अपनी चिंताएं और उम्मीदें रखीं। गृहमंत्री अमित शाह, गोरखा नेताओं और पश्चिम बंगाल सरका के बीच शनिवार को हुई इस बैठक में तीनों पक्ष एक समिति बनाने पर सहमत हुए। इस दौरान केंद्र सरकार ने भरोसा दिलाया कि वह इस मुद्दे का जल्द से जल्द समाधान चाहती है।

नई टीम के साथ आगामी चुनावों के लिए बीजेपी का मेगा प्लान

नितिन नबीन की बैठक में संगठन से लेकर रणनीति पर चर्चा

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की अध्यक्षता में आज भाजपा प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक का दूसरा दिन है। इस बैठक में पार्टी संगठन के विस्तार और चुनाव की तैयारियों पर जोर दे रही है।बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष, राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, सुनील बंसल, संजय भाटिया, स्मृति ईरानी, ??हरीश द्विवेदी, सतीश पूनिया, गजेंद्र पटेल, राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी तरुण चुघ, बैजयंत पांडा, राजीव चंद्रशेखर, रेखा वर्मा, हर्ष मल्होत्रा, श्रीकांत शर्मा, संदीप पाठक, लाल सिंह आर्य और मनोज टिग्गा समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। चर्चा का मुख्य फोकस पार्टी संगठन को मजबूत करने और उसके संगठनात्मक नेटवर्क का विस्तार करने के साथ-साथ आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों की समीक्षा करना है। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब भाजपा कई राज्यों में चुनावों से पहले अपनी संगठनात्मक गतिविधियों को तेज कर रही है।उम्मीद है कि वरिष्ठ नेता पार्टी की रणनीति, संगठनात्मक तैयारियों और जमीनी स्तर पर पार्टी की मौजूदगी को और मजबूत करने वाले कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श करेंगे। बैठक के दूसरे दिन मौजूदा संगठनात्मक गतिविधियों का जायजा लेने और आने वाले महीनों के लिए रोडमैप तैयार करने की भी उम्मीद है, जिसमें चुनाव वाले राज्यों पर विशेष जोर दिया जाएगा। आगामी चुनावी मुकाबलों से पहले केंद्रीय नेतृत्व, राज्य इकाइयों और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने के लिए भाजपा नेतृत्व लगातार संगठनात्मक बैठकें कर रहा है।भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन की नवगठित टीम की पहली राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में यह फैसला किया गया कि भाजपा देशभर में स्पेशल टीमों का गठन करेगी और उनके माध्यम से जेन-जी को साधने का प्रयास करेगी। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की टीमों के गठन का भी फैसला किया गया जिससे वे खुद को पार्टी में उपेक्षित न समझें और भाजपा संगठन की मजबूती के लिए पहले की तरह कार्य करते रहें। बैठक में कांग्रेस के उस निर्णय की भी आलोचना की गई, जिसमें कांग्रेस कार्यसमिति ने वंदेमातरम के केवल पहले दो अंतरों को गाने का निर्णय किया है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में हुई नई टीम की बैठक में आगामी चुनावों, संगठन को मजबूत करने और पार्टी के कार्यक्रमों पर चर्चा हुई।नवीन ने कहा कि बीजेपी वंदे मातरम का इतिहास और महत्व देशभर में पहुंचाने के लिए अभियान चलाएगी। खासतौर पर युवाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि नई पीढ़ी पूरे वंदे मातरम और उससे जुड़े इतिहास को समझ सके। इससे पहले 19 अगस्त को कांग्रेस कार्यसमिति ने 1937 के अपने फैसले पर कायम रहने का फैसला किया था। इसके तहत कांग्रेस के कार्यक्रमों में वंदे मातरम के पहले दो पैरा ही गाए जाएंगे। बीजेपी कांग्रेस के इस फैसले का विरोध कर रही है। बीजेपी की नई टीम 'युवा संवाद' अभियान के जरिए 14 से 25 साल के युवाओं से जुड़ेगी।

सरकार भी जेन-जी से जुड़ने के लिए नेताओं को यूनिवर्सिटी भेजेगी

केंद्र सरकार ने यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम के जरिए कॉलेज और यूनिवर्सिटी के छात्रों से सीधे जुड़ने की तैयारी की है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया था कि 19 अगस्त की कैबिनेट बैठक में यह फैसला हुआ कि केंद्रीय मंत्री अलग-अलग यूनिवर्सिटी में जाकर छात्रों से बातचीत करेंगे और उनके सवाल, विचार और समस्याएं सुनेंगे। बैठक में मंत्रियों की सोशल मीडिया पोस्ट की पहुंच पर भी चर्चा हुई। इसमें खासतौर पर युवा लोगों तक संदेश पहुंचाने के लिए ज्यादा मेहनत करने की बात कही गई।

भिलाई इस्पात संयंत्र में संयुक्त आपातकालीन मॉक ड्रिल का सफल आयोजन

दुर्ग। भिलाई इस्पात संयंत्र के ऊर्जा प्रबंधन विभाग के अंतर्गत एसएमएस-3 एलडी गैस होल्डर में 20 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), अग्निशमन सेवाएँ तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों की सहभागिता से एक संयुक्त आपातकालीन मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में विभिन्न एजेंसियों की तैयारियों, त्वरित प्रतिक्रिया, बचाव कार्यों तथा आपसी समन्वय की प्रभावशीलता का आकलन करना था। मॉक ड्रिल के तहत अत्यधिक वर्षा एवं बाढ़ जैसी परिस्थितियों के कारण एसएमएस-3 एलडी गैस होल्डर की विद्युत नियंत्रण प्रणाली में खराबी आने तथा गैस होल्डर के सुरक्षा इंटरलॉक के निष्क्रिय होने के कारण गैस रिसाव की घटना का परिदृश्य तैयार कर उससे निपटने की त्वरित कार्यवाही, प्राथमिक उपचार तथा विभिन्न आपातकालीन एजेंसियों के समन्वित प्रयासों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। निर्धारित परिदृश्य के अनुसार कार्य में लगे श्रमिकों में से 12 श्रमिक गैस के संपर्क में आने से प्रभावित होकर विभिन्न स्थानों पर अचेत हो गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सहायक महाप्रबंधक (ईएमडी) रवि कुमार सोनी ने तत्काल आपातकाल की घोषणा करते हुए प्रभावित क्षेत्र को खाली कराया तथा बचाव कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक (ईएमडी) अजय गजघाटे ने तत्काल मुख्य महाप्रबंधक (ईएमडी) पी.वी.वी.एस. मूर्ति एवं इंसिडेंट कंट्रोलर को सूचित किया। मूर्ति शीघ्र ही घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान के समन्वय की जिम्मेदारी संभाली। इसके पश्चात एडीएम, दुर्ग एवं चीफ इंसिडेंट कंट्रोलर वीरेंद्र सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और सभी सहभागी एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए समग्र आपातकालीन प्रतिक्रिया एवं बचाव अभियान की निगरानी की। मॉक ड्रिल के दौरान प्रभावित क्षेत्र को तत्काल सील कर अनावश्यक कर्मियों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ तथा भिलाई इस्पात संयंत्र के अग्निशमन दल ने सेल्फ कंटेन्ड ब्रीदिंग अपरेटस (एससीबीए) से लैस होकर प्रभावित क्षेत्र में प्रवेश किया तथा सभी अचेत श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार केंद्र पहुंचाया। इसके साथ ही प्लांट कंट्रोल, मेन मेडिकल पोस्ट, गैस सुरक्षा विभाग, सीआईएसएफ, पर्यावरण प्रबंधन, सिविल डिफेंस तथा मानव संसाधन विभाग सहित अन्य सहयोगी इकाइयों ने भी संयंत्र की आपदा प्रबंधन योजना के अनुरूप अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन किया। गैस रिसाव की सूचना मिलते ही ईएमडी के गैस सेफ्टी सेक्शन ने गैस रिसाव को नियंत्रित करने के लिए तत्काल आवश्यक कार्रवाई की। बचाव अभियान के उपरांत प्रभावित क्षेत्र में पोर्टेबल गैस डिटेक्टर एवं गैस एनालाइजर से गैस की स्थिति का परीक्षण किया गया। ऑक्सीजन एवं कार्बन मोनोऑक्साइड के स्तर निर्धारित अनुमेय सीमा में पाए जाने के बाद क्षेत्र को सुरक्षित घोषित किया गया और सामान्य परिचालन बहाल किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र, जिला प्रशासन एवं विभिन्न आपदा प्रबंधन एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर उपस्थित रहकर आपातकालीन प्रतिक्रिया एवं बचाव कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। इस अवसर पर पी. आर. भल्ला, मुख्य महाप्रबंधक (योजना एवं परियोजना नियंत्रण) एवं मुख्य महाप्रबंधक (सेवाएं) का अतिरिक्त प्रभार; विनोद कुमार बिष्ट, उप कमांडेंट, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल; प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, एसडीएम दुर्ग शहर (नोडल अधिकारी) दुर्ग; डॉ. सी. बी. एस. बंजारे, जिला सर्विलांस ऑफिसर, दुर्ग; पी. वी. वी. एस. मूर्ति, मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-3) त्रिभुवन बैठ; मुख्य महाप्रबंधक (ऊर्जा प्रबंधन विभाग); पुष्पा एम्ब्रोस, मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियांत्रिकी विभाग); एस. के. अग्रवाल, महाप्रबंधक प्रभारी (सुरक्षा अभियांत्रिकी); संजय धवस, अतिरिक्त मुख्य अग्निशमन अधिकारी; एन. के. प्रधान, निरीक्षक, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल; एवं धनीराम यादव, दल प्रमुख, राज्य आपदा मोचन बल, सहित भिलाई इस्पात संयंत्र, जिला प्रशासन एवं विभिन्न सहभागी एजेंसियों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मॉक ड्रिल के दौरान विभिन्न एजेंसियों द्वारा प्रदर्शित त्वरित प्रतिक्रिया, आपसी समन्वय एवं बचाव कार्यों की सराहना की। साथ ही, आपातकालीन तैयारियों को और अधिक सुदृढ़ करने, विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने तथा बचाव एवं राहत कार्यों की क्षमता को निरंतर बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए। मॉक ड्रिल के सफल समापन के पश्चात मानव संसाधन विकास विभाग में मॉक ड्रिल उपरांत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वीरेंद्र सिंह, एडीएम, दुर्ग ने की। बैठक में पी. आर. भल्ला, मुख्य महाप्रबंधक (योजना एवं परियोजना नियंत्रण) एवं अतिरिक्त प्रभार, मुख्य महाप्रबंधक (सेवाएं) पी. आर. भल्ला तथा पी. वी. वी. एस. मूर्ति, मुख्य महाप्रबंधक (ऊर्जा प्रबंधन विभाग) सहित मॉक ड्रिल में सहभागी सभी एजेंसियों के प्रतिनिधि एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे। विभिन्न एजेंसियों के प्रतिनिधियों एवं पर्यवेक्षकों ने मॉक ड्रिल से संबंधित अपने अनुभव एवं अवलोकन साझा किए।

जिले में अब तक 597.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 20 अगस्त 2026 तक 597.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 747.0 मिमी तहसील पाटन में तथा न्यूनतम 449.5 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 685.4 मिमी, तहसील बोरी में 589.6 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 653.6 मिमी और तहसील अहिवारा में 479.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 20 अगस्त 2026 को तहसील दुर्ग में 4.4 मिमी, तहसील धमधा में 4.9 मिमी, तहसील पाटन में 0.0 मिमी, तहसील बोरी में 4.0 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 4.0 मिमी और तहसील अहिवारा में 4.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

कलेक्टर सिंह के निर्देश पर आबकारी विभाग ने बानबरद में अवैध देशी मदिरा की जब्त

दुर्ग। विगत दिवस कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त अवैध शराब बिक्री की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर अभिजीत सिंह ने त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर सिंह द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के परिपालन में तथा

जनदर्शन में प्राप्त शिकायत पर हुई त्वरित कार्यवाही

प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी क्रिस्टोफर खलखो के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग जिला-दुर्ग की संयुक्त टीम ने त्वरित दबिश देकर बानबरद (अहिवारा) में छापेमारी की। कार्रवाही के दौरान आरोपी जगतू धीवर (निवासी बानबरद) के कब्जे से 22 नग पाव देशी मदिरा मसाला (कुल 3.960 बल्क लीटर, बाजार मूल्य 2200 रुपये) जब्त की गई। छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(ख) का उल्लंघन पाए जाने पर आबकारी वृत्त धमधा में आरोपी के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। इस जांच टीम में सहायक जिला आबकारी अधिकारी पंकज कुजूर तथा आबकारी उप निरीक्षक हरीश पटेल, अरविंद साहू एवं कीर्ति ठाकुर शामिल थे।

छात्रावास-आश्रम पोर्टल में पारदर्शिता हेतु पहल, होम पेज पर दिखेगी विद्यार्थियों की जानकारी और उपस्थिति

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य में आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा संचालित आश्रम-छात्रावासों की व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। कार्यालय आयुक्त, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास नवा रायपुर द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, छात्रावास-आश्रम प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर प्रवेशित समस्त छात्र-छात्राओं की जानकारी अब पोर्टल के होम पेज पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाएगी। नागरिक एवं अभिभावक पोर्टल के लिंक पर जाकर विद्यार्थी उपस्थिति रिपोर्ट मेनू के माध्यम से प्रवेशित विद्यार्थियों का ब्योरा देख सकते हैं। इस व्यवस्था के तहत शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त एवं विशिष्ट संस्थाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की जानकारी के साथ-साथ उनकी प्रतिमाह की उपस्थिति रिपोर्ट भी अगले माह की 10 तारीख तक पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपडेट की जाएगी। इसके अतिरिक्त, शासन की महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना' (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत लाभान्वित हो रहे विद्यार्थियों की जानकारी भी इसी पोर्टल के नया क्या है टैब पर उपलब्ध करा दी गई है।

शहीदों की स्मृति में सोनपुर में बनी शौर्य वाटिका, 37 शहीद परिवारों का हुआ सम्मान

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया शौर्य वाटिका का भूमिपूजन, करीब 79 लाख के विकास कार्यों का किया लोकार्पण

दुर्ग। जिले के वीर बलिदानियों की पावन स्मृति को संजोने और उनकी शौर्यगाथा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से पाटन विकासखंड के ग्राम सोनपुर में शौर्य वाटिका का भूमिपूजन किया गया। उपमुख्यमंत्री एवं गृह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में जिले के 37 शहीद परिवारों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर लगभग एक एकड़ क्षेत्र में विकसित की जा रही शौर्य वाटिका में शहीदों के नाम पर उनके परिजनों द्वारा स्मृति वृक्ष लगाए गए। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने पीपल का पौधा रोपित कर शौर्य वाटिका में पौधरोपण की शुरुआत की।

करीब 79 लाख के विकास कार्यों का लोकार्पण

कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने लगभग 78.96 लाख रुपए की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें तालाब गहरीकरण, खेल मैदान, पहुंच मार्ग निर्माण, शौचालय, चबूतरा निर्माण, वृक्षारोपण एवं शेड निर्माण सहित विभिन्न कार्य शामिल हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के अंतर्गत 37.95 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड निर्माण, आहता निर्माण एवं शेड निर्माण कार्यों का भी लोकार्पण किया गया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में छत्तीसगढ़ के जवानों और बस्तर के लोगों ने बड़ी कीमते चुकाई है। उन्होंने शहीद जवानों और उनके परिवारों को नमन करते हुए कहा कि आज बस्तर में शांति स्थापित होने के बाद विकास की नई संभावनाएं खुली हैं। जिन क्षेत्रों में कभी नक्सल हिंसा के कारण स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी, बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं पहुंच पाती थीं, वहां अब विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे में शहीद जवानों की बहादुरी और बलिदान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। नक्सल क्षेत्रों में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है, जहां कभी जाना मुश्किल था, अब वहां शांति और बदलाव का माहौल है। उपमुख्यमंत्री ने सोनपुर गांव के विकास की सराहना करते हुए कहा कि यहां शहीदों की स्मृति में शौर्य वाटिका का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिले के शहीद परिवारों और शहीदों के नाम पर यहां पौधरोपण किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां उनके त्याग और शौर्य को याद रख सकें। उन्होंने कहा कि सोनपुर गांव में योजना के अनुसार विकास कार्यों को आगे बढ़ाने में सरकार हरसंभव सहयोग करेगी। उपमुख्यमंत्री ने गांव में निर्मित विभिन्न विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि मनरेगा सहित वीवीजी राम जी के माध्यम से रोजगार के साथ-साथ कौशल विकास और अधोसंरचना निर्माण को गति दी जा रही है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से योजनाबद्ध तरीके से गांव के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने भी शहीदों को नमन करते हुए उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, साजा विधायक ईश्वर साहू, सरपंच संत कुमार कुंभकार, सेवानिवृत शिक्षक रामू राम चक्रधर, जनपद पंचायत अध्यक्ष कीर्ति नायक, सुरेन्द्र कोशिक सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं नागरिक गण उपस्थित थे।

सीएम पोर्टल की शिकायत पर निगम की त्वरित कार्रवाई शासकीय स्कूल की बाउंड्रीवाल से हटाया अवैध कब्जा

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा नागरिकों से ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में सीएम पोर्टल पर प्राप्त शिकायत के आधार पर निगम की टीम ने आज जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत वार्ड क्रमांक 24 हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में कार्रवाई की। शिकायत में शासकीय स्कूल की बाउंड्रीवाल से लगे हुए स्थान पर अवैध कब्जे की जानकारी दी गई थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए निगम के संबंधित विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थल का निरीक्षण किया। जांच के बाद शासकीय स्कूल की बाउंड्रीवाल से लगे अवैध कब्जे को हटाने की कार्रवाई की गई। निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त शिकायतों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। निगम अधिकारियों ने कहा कि शासकीय भूमि, सार्वजनिक स्थानों एवं सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे सार्वजनिक एवं शासकीय भूमि पर किसी प्रकार का अवैध कब्जा न करें।

समाज सेविका कौशल्या देवी साय होंगी मुख्य अतिथि, डॉ. सरोज पाण्डेय अति-विशिष्ट अतिथि के रूप में करेंगी शिरकत

दुर्ग। नगर पालिक निगम, दुर्ग द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुरूप इस वर्ष भी रिमझिम सावन-2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। सावन के उल्लास और महिलाओं की सहभागिता को समर्पित यह उत्सव 21 अगस्त 2026, शुक्रवार से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए विभिन्न मनोरंजक, खेलकूद, सांस्कृतिक एवं आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाज सेविका कौशल्या देवी साय तथा अति विशिष्ट अतिथि पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा डॉ. सरोज पाण्डेय की गरिमामयी उपस्थिति में होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिक निगम दुर्ग की महापौर अलका बाघमार करेंगी।

महिलाओं के लिए होंगे विविध मनोरंजक आयोजन, सावन क्वीन बनेगा विशेष आकर्षण

महापौर अलका बाघमार ने विवेका नंद भवन में कार्यक्रम की तैयारियों का किया निरीक्षण। निरीक्षण के दौरान सांस्कृतिक

विभाग प्रभारी हर्षिका संभव जैन एवं महिला एवं बाल विकास विभाग प्रभारी शशि साहू ने महिला पार्षदों तथा अधिकारी-कर्मचारियों के साथ उपस्थिति रहे। आयोजन में महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़, मटकी फोड़, आलू दौड़, कंचा-चम्मच दौड़, बिंदी लगाओ प्रतियोगिता सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिताओं में भाग लेने की इच्छुक प्रतिभागी सुबह 9 बजे से 10:30 बजे तक अपना पंजीयन करा सकेंगी। वहीं 'सावन क्वीन-2026' फैशन शो आयोजन का विशेष आकर्षण रहेगा, जिसमें प्रतिभागियों को भारतीय वेशभूषा एवं पारंपरिक परिधान में शामिल होना होगा।

उत्सव में सजेगा महिलाओं के लिए खास मंच, स्टॉल और सांस्कृतिक गतिविधियां रहेंगी आकर्षण

नगर निगम द्वारा आयोजित रिमझिम सावन उत्सव का उददेश्य महिलाओं को मनोरंजन, सहभागिता और उत्सव के माध्यम से एक बेहतर सामाजिक मंच उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम स्थल पर आकर्षक स्टॉल, खेलकूद प्रतियोगिताएं तथा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। नगर निगम द्वारा आयोजन को सफल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। महापौर अलका बाघमार ने शहरवासियों से अपील की है कि वे रिमझिम सावन-2026 उत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन की रौनक बढ़ाएं तथा महिलाओं के उत्साहवर्धन के साथ इस उत्सव को सफल बनाएं।

कॉपी, पेन और स्कूल बैग पाकर खिले छात्र-छात्राओं के चेहरे, शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने की पहल

बच्चों के चेहरे पर लौटी मुस्कान, मानवाधिकार परिषद ने विद्यार्थियों को बांटी शैक्षणिक सामग्री

भिलाई-3। विश्व मानवाधिकार परिषद छत्तीसगढ़ द्वारा सामाजिक सरोकार के तहत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला चरोदा, एम.एस. चरोदा काली मंदिर के पास विद्यार्थियों के लिए विशेष कल्याणकारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं को कॉपी, पेन एवं स्कूल बैग सहित आवश्यक शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। सामग्री पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। यह कार्यक्रम विश्व मानवाधिकार परिषद छत्तीसगढ़ की राष्ट्रीय अध्यक्ष (लीगल सेल) एवं राष्ट्रीय प्रभारी एडवोकेट पायल पोपटानी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के साथ ही उन्हें पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहित करना और उनके भीतर आगे बढ़ने का आत्मविश्वास पैदा करना रहा। कार्यक्रम के दौरान संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें नियमित रूप से पढ़ाई करने तथा अपने लक्ष्य के प्रति मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। परिषद के पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। आर्थिक या अन्य कारणों से किसी बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए समाज के सक्षम लोगों और सामाजिक संगठनों को आगे आकर सहयोग करना चाहिए। इस अवसर पर विद्यार्थियों को कॉपी, पेन और स्कूल बैग वितरित किए गए। शैक्षणिक सामग्री मिलने से बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति सकारात्मक रूप से प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में विश्व मानवाधिकार परिषद के स्टेट प्रेसिडेंट कुलवंत सिंह, स्टेट मीडिया प्रभारी सरोज नागवंशी, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट सुशील झा, डिस्टिक प्रेसिडेंट के. अरुणा, स्टेट सेक्रेटरी नवल किशोर, स्टेट वाइस प्रेसिडेंट राजवीर कौर, स्टेट वाइस प्रेसिडेंट ऋषभ शर्मा, इशू हरपाल, डिस्टिक वाइस प्रेसिडेंट अन्नू साहू एवं सदस्य कंचन सिंह सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। वहीं विद्यालय की प्रधान पाठक रेणुका मोहंती के साथ हेमलता तिग्गा, सुजाता, अनीता, अर्चना, केशव राम साहू एवं गीतिका पटेल सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में संगठन पदाधिकारियों ने कहा कि विद्यार्थियों के हित और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक एवं कल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

आयोजन ने शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक सहभागिता और जिम्मेदारी की एक सकारात्मक मिसाल प्रस्तुत की।

संक्षिप्त समाचार

साइबर जागृति अभियान के तहत छात्र-छात्राओं को किया गया जागरूक

रायपुर। थाना टिकरापारा क्षेत्र के बोरियाखुर्द स्थित शासकीय हाई स्कूल में आज छत्तीसगढ़ पुलिस के साइबर जागृति अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को साइबर अपराधों से बचाव तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करना रहा। थाना प्रभारी राजेश मरई के निर्देशन में प्रशिक्षु उप निरीक्षक नागेश्वर साहू, प्रशिक्षु उप निरीक्षक मुकेश वारे एवं वरिष्ठ आरक्षक भारतेंद्र साहू ने शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, संदिग्ध कॉल एवं डिजिटल फ्रॉड से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। पुलिस टीम ने साइबर अपराध होने की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की। साथ ही विद्यार्थियों को अपने मोबाइल, सोशल मीडिया अकाउंट एवं ऑनलाइन लेन-देन की सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरतने की समझाइश दी गई। कार्यक्रम में थाना टिकरापारा से प्रधान आरक्षक रामनारायण पटेल एवं वरिष्ठ आरक्षक विमलेश मालेकर उपस्थित रहे।

नगरीय निकायों को विभिन्न मदों में 74.88 करोड़ आबंटित

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के 158 नगरीय निकायों में विभिन्न मदों में कुल 74 करोड़ 88 लाख 17 हजार रुपए आबंटित किए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने सभी निकायों को राशि आबंटन के आदेश जारी कर दिए हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने प्रदेश के 10 नगर निगमों को कुल 45 करोड़ 7 लाख 90 हजार रुपए आबंटित किए हैं। वहीं 48 नगर पालिकाओं को कुल 18 करोड़ 60 लाख 34 हजार रुपए तथा 100 नगर पंचायतों को कुल 11 करोड़ 19 लाख 92 हजार रुपए आबंटित किए गए हैं। विभाग द्वारा निकायों को अनिवार्य निधि, राजस्व वसूली, चुंगी क्षतिपूर्ति, उत्पाद कर, बार लाइसेंस तथा मुद्रांक मद के अंतर्गत यह राशि आबंटित की गई है।

विभाग द्वारा जारी इस राशि से नगरीय निकायों की वित्तीय स्थिति को मजबूती मिलेगी। इससे स्थानीय स्तर पर वेतन भुगतान तथा सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान के साथ ही मरम्मत, संधारण कार्यों तथा अतिवृष्टि जैसी परिस्थितियों से निपटने में भी सहायता मिलेगी।

फर्जी सिम बेचने वाले पीओएस एजेंटों पर एफआईआर के निर्देश

रायपुर। बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री राम गोपाल गर्ग ने साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण को लेकर रेंज के साइबर थानों, साइबर सेल तथा संबंधित अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों, दर्ज प्राथमिकी, बैंक में रोकी गई ठगी की राशि तथा लंबित प्रकरणों की बिंदुवार समीक्षा की गई। आईजी ने अधिकारियों को साइबर अपराधों के विरुद्ध त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस महानिरीक्षक ने रेंज के सभी सामान्य थानों को भी राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर प्रतिदिन अनिवार्य रूप से प्रवेश कर प्राप्त शिकायतों की निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को उसी दिन स्वीकार करते हुए तत्काल वैधानिक कार्रवाई शुरू की जाए।

नवा रायपुर बन रहा शिक्षा और नई तकनीक का उभरता केंद्र

नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता के बाद बस्तर में विकास की नई गति

- नई औद्योगिक नीति से निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास को मिला नया विस्तार
- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से चेन्नई के पत्रकारों के दल ने की सौजन्य भेंट

रायपुर/ संवाददाता

लंबे समय तक नक्सलवाद के कारण विकास की दौड़ में पीछे रहे बस्तर में अब शांति, विश्वास और विकास का नया दौर शुरू हुआ है। सुरक्षा के साथ-साथ सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, रोजगार और आजीविका के क्षेत्र में तेजी से काम किया जा रहा है। बस्तर की प्राकृतिक संपदा, संस्कृति और पर्यटन की संभावनाओं को विकास से जोड़कर क्षेत्र के लोगों के जीवन में स्थायी बदलाव लाना हमारी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने विगत दिवस मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में पत्र सूचना कार्यालय, चेन्नई के निदेशक श्री पी. अरुण कुमार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए चेन्नई के पत्रकारों के दल से चर्चा के दौरान यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने पत्रकारों से छत्तीसगढ़ में विकास की बदलती तस्वीर, बस्तर में नक्सलवाद के विरुद्ध मिली सफलता के बाद तेज हुई विकास गतिविधियों, राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति, निवेश एवं रोजगार की संभावनाओं तथा शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहे विस्तार पर चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लगभग चार दशकों तक नक्सलवाद ने बस्तर के विकास को गंभीर रूप से प्रभावित किया। दुर्गम क्षेत्रों में सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना बड़ी चुनौती थी।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता मिली है। सुरक्षा बलों के साहस और स्थानीय लोगों के बढ़ते विश्वास से बस्तर तेजी से शांति और विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में कभी नक्सलवाद के कारण शासन की पहुंच कठिन थी, वहां आज विकास की योजनाएं तेजी से पहुंच रही हैं। सुरक्षा कैंपों के आसपास के गांवों में 'नियद नेल्लानार' योजना के माध्यम से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी सुविधाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। सड़क और मोबाइल कनेक्टिविटी के विस्तार के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली, राशन, बैंकिंग और आजीविका की सुविधाओं में वृद्धि हुई है। सरकार का लक्ष्य केवल नक्सलवाद का अंत करना नहीं, बल्कि बस्तर में विकास और समृद्धि की ऐसी मजबूत नींव तैयार करना है, जिससे आने वाली पीढ़ियों का भविष्य बेहतर हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में पर्यटन की भी अपार संभावनाएं हैं। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य, जलप्रपातों, वन संपदा, जनजातीय संस्कृति, कला और परंपराओं की विशिष्ट पहचान है। शांति स्थापित होने के साथ पर्यटन और स्थानीय उद्यमिता के लिए नए अवसर बन रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि बस्तर की विशिष्टताओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले तथा पर्यटन से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अधिक अवसर सृजित हों। मुख्यमंत्री श्री साय ने पत्रकारों को राज्य में औद्योगिक विकास की संभावनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज, वन और कृषि संपदा से समृद्ध होने के साथ ऊर्जा के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर है। राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में रोजगार सृजन, स्थानीय संसाधनों के मूल्य संवर्धन और नए एवं उभरते क्षेत्रों के उद्योगों को विशेष प्राथमिकता दी गई है। सरल प्रक्रियाओं और उद्योग अनुकूल वातावरण के कारण देश-विदेश के निवेशकों का छत्तीसगढ़ के प्रति आकर्षण तेजी से बढ़ा है। उन्होंने कहा कि राज्य अब परंपरागत उद्योगों तक सीमित नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, फार्मास्युटिकल, टेक्सटाइल और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे भविष्य के क्षेत्रों में भी निवेश की संभावनाएं तेजी से विकसित हो रही हैं। पर्याप्त विद्युत उपलब्धता, मजबूत अधोसंरचना, देश के मध्य में भौगोलिक स्थिति और बेहतर कनेक्टिविटी छत्तीसगढ़ को निवेश के लिए अनुकूल बनाती है। सरकार का विशेष जोर ऐसे निवेश पर है, जिससे प्रदेश के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर तैयार हों।

हाईकोर्ट ने 56 नए सिविल जजों को दी पहली पोस्टिंग

रायपुर। हाईकोर्ट ने पीएससी के जरिए चुने गए 56 नए सिविल जजों की पोस्टिंग, 15 न्यायिक अधिकारियों के तबादले और पोस्टिंग आदेश जारी किए हैं। हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल रजनीश श्रीवास्तव द्वारा जारी विभिन्न आदेशों और अधिसूचनाओं के तहत हायर ज्यूडिशियल सर्विस और लोअर ज्यूडिशियल सर्विस के कई जजों के तबादले किए गए हैं। इसके साथ ही राज्य शासन द्वारा प्रोबेशन पर नियुक्त 56 नए सिविल जजों (जूनियर डिवीजन) को पहली पदस्थापना दी गई है। इन सभी नव-नियुक्त अधिकारियों को 29 अगस्त तक अपनी पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा हायर न्यूडिशियल सर्विस के 5 जजों का तबादला किया गया है। दंतेवाड़ा परिवार न्यायालय के जज हरीश कुमार अवस्थी को प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रायपुर बनाया गया है। ममता पटेल को अंबिकापुर से द्वितीय अतिरिक्त एवं सत्र न्यायाधीश बिलासपुर, ज्योति अग्रवाल को पेंड्रारोड से न्यायाधीश राजनांदगांव, नमिता मिंज भास्कर को धमतरी से न सिंह साहू को राजनांदगांव से अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एफटीसी) दंतेवाड़ा पदस्थ किया गया है। इसके अलावा, रायपुर के प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरज शर्मा को एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) एक्ट के तहत रायपुर विशेष अदालत का विशेष न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। अंबिकापुर में कमलेश जगदल्ला को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश और स्मिता रत्नावत को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो) की जिम्मेदारी दी गई है।

कोरिया की रीना साहू ने कहा-विष्णु साय भैया ने दिया राखी का तोहफा

- राखी से पहले महतारी वंदन की राशि बनी महिलाओं की मुस्कान

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना प्रदेश की लाखों महिलाओं के जीवन में आर्थिक संबल का आधार बन रही है। रक्षाबंधन जैसे पावन पर्व से पहले योजना की 1000 रुपये की मासिक सहायता राशि हितग्राहियों के खातों में पहुंचने से महिलाओं की खुशियां दोगुनी हो गई हैं। कोरिया जिले के सागरपुर की रहने वाली श्रीमती रीना साहू भी उन महिलाओं में शामिल हैं, जिनके लिए यह राशि इस बार राखी के त्योहार का विशेष उपहार बनकर आई है। श्रीमती रीना साहू के खाते में राखी से पहले महतारी वंदन योजना की 1000 रुपये की राशि पहुंची। सहायता राशि मिलने पर उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भावुक शब्दों में कहा, 'हमारे विष्णु भैया ने हमें राखी का तोहफा पहले ही दे दिया। महतारी वंदन योजना के एक हजार रुपये समय पर मिल जाने से हमारे त्योहार की खुशियां और बढ़ गई हैं।' रीना साहू ने बताया कि त्योहार के समय परिवार की छोटी-बड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में यह राशि बेहद उपयोगी साबित होती है। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता से वे घरेलू जरूरतों के साथ-साथ बच्चों और परिवार के लिए आवश्यक सामान भी सहजता से खरीद पाती हैं। उनका कहना है कि यह योजना केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मविश्वास और सम्मान के साथ परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने का संबल भी दे रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

राखी निर्माण को मिला नया आयाम, आत्मनिर्भर बन रहीं ग्रामीण महिलाएं

- स्थानीय और घरेलू संसाधनों से तैयार कर रहीं आकर्षक राखियां, सीजनल गतिविधियों से बढ़ा आय प्राप्त हो रही है और उनकी आजीविका को मजबूती मिल रही है। समूह की सदस्य सुश्री सोनाली सिंह ने बताया कि समूह की महिलाएं वर्षभर मौसम और त्योहार के अनुसार अलग-अलग आजीविका गतिविधियां अपनाती हैं। वर्तमान में राखी निर्माण का कार्य किया जा रहा है। राखियां तैयार करने में चावल, गेहूं, मक्का, कोहड़े के बीज सहित घर में उपलब्ध अन्य सामग्री का उपयोग किया जाता है। इन सामग्रियों को रंग एवं सजाकर आकर्षक डिजाइन तैयार किए जाते हैं। इसके अलावा रेशमी धागे, ऊन और अन्य सजावटी सामग्री आवश्यकतानुसार बाजार से खरीदी जाती है। सुश्री दीप्ति चौधरी ने बताया कि घरेलू सामग्री के उपयोग से राखियों की उत्पादन लागत कम रहती है। समूह की महिलाएं अपने खाली समय में एक साथ बैठकर राखियां तैयार करती हैं। त्योहार के दौरान मांग बढ़ने पर उत्पादन भी बढ़ाया जाता है। तैयार उत्पादों की बिक्री स्टॉल और घर से की जाती है। उन्होंने बताया कि बिहान योजना से प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिलने के बाद महिलाओं को कम लागत में आजीविका गतिविधि संचालित करने का अवसर मिला है। इससे वे पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपनी आय भी अर्जित कर पा रही हैं।

आजीविका का दायरा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं अपनी पारंपरिक दक्षता और स्थानीय संसाधनों को आजीविका के अवसरों में बदल रही हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं कृषि एवं अन्य गतिविधियों के साथ-साथ मौसम और त्योहारों के अनुरूप सीजनल व्यवसाय अपनाकर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत किशुन नगर की जय मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह की महिलाएं इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल हैं। रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए समूह की 12 महिलाएं इन दिनों घरेलू एवं स्थानीय संसाधनों से आकर्षक राखियां तैयार कर रही हैं। कम लागत में तैयार इन राखियों को स्थानीय बाजार में स्टॉल लगाकर और घर से विक्रय किया जा रहा है। इससे महिलाओं को अतिरिक्त

महतारी वंदन योजना से संवर रही छत्तीसगढ़ की बहनों की खुशियां..

रायपुर/ संवाददाता

रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि स्नेह, सुरक्षा और आत्मीयता का पावन संकल्प है। छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए यह पर्व दोगुनी खुशियां लेकर आया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की 'महतारी वंदन योजना' प्रदेश की लाखों महिलाओं के जीवन में आर्थिक संबल, आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का नया सवेरा लिख रही है। धमतरी जिले के मुजगहन गांव की रहने वाली मंजू यादव के लिए इस बार का रक्षाबंधन बेहद खास है। महतारी वंदन योजना की राशि खाते में पहुंचते ही उनके चेहरे पर एक सहज मुस्कान तैर उठी। मंजू खुशी व्यक्त करते हुए कहती हैं, कि इस बार रक्षाबंधन पर अपने लिए नई साड़ी खरीदूंगी। एक नई साड़ी की यह खरीदारी केवल कपड़ों का चयन भर नहीं है—यह मंजू के अपने स्वाभिमान, निर्णय लेने की आजादी और अपनी छोटी-छोटी खुशियों को खुद पूरा करने के सुखद एहसास का प्रतीक है। अब उन्हें अपने व्यक्तिगत खर्चों या पर्व-त्योहारों की तैयारियों के लिए किसी और पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। महतारी वंदन योजना के तहत मिलने वाली नियमित सहायता राशि ने महिलाओं को केवल व्यक्तिगत खुशियां ही नहीं दी हैं, बल्कि उन्हें परिवार की निर्णय प्रक्रिया में भी मजबूत भागीदार बनाया है। धमतरी जिले की महिलाएं इस राशि का उपयोग वह घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने, बच्चों की शिक्षा एवं जरूरतों का ध्यान रखने, स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत देखभाल की वस्तुएं खरीदने, और तीज-त्योहारों की तैयारियों को उत्साहपूर्वक मनाने में कर रही हैं। इससे न केवल महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि ग्रामीण व स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी एक नया सहारा मिला है।

वन्दे मातरम को खण्डित करना कांग्रेस का इतिहास

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 'वंदे मातरम्' के केवल शुरुआती दो पदों को ही गाने के प्रस्ताव और उस पर अड़े रहने के रवैये पर तीखा हमला बोला है। पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस का यह दृष्टिकोण उसकी दशकों पुरानी विभाजनकारी और तुष्टीकरण की राजनीति का स्पष्ट प्रमाण है। भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व सांसद पाण्डेय ने कांग्रेस कार्यसमिति के प्रस्ताव को राष्ट्र चेतना का अपमान निरूपित करते हुए कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित 'वन्दे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम का प्राण तत्व और राष्ट्रभक्ति का अमर उद्घोष रहा है। इस पावन गीत को टुकड़ों में बाँटने की जिद कांग्रेस के संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ को दर्शाती है। पाण्डेय ने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा संपूर्ण 'वन्दे मातरम्' की जगह केवल दो पदों को स्वीकार करने का प्रस्ताव एक वर्ग विशेष को साधने और वोट बैंक की खातिर राष्ट्रीय भावना के साथ किया गया समझौता था। जिस गीत को गाते हुए अमर शहीदों ने हँसते-हँसते फाँसी के फंदों को चूमा था, उसके मूल भाव और सम्पूर्णता को अस्वीकार करना देश की सांस्कृतिक आत्मा और बलिदानियों की स्मृति पर आघात है। आजादी के आंदोलन से लेकर आज तक कांग्रेस ने सदैव तुष्टीकरण के आगे राष्ट्रभक्ति के प्रतीकों को गौण करने का काम किया है।

विकसित भारत-जी राम जी एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

मानव दिवस सृजन बढ़ाने और जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता

- लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत कार्य समय-सीमा में पूरा करें, लापरवाही पर होगी कार्रवाई
- सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेन्द्र दुग्गा ने ली योजनाओं की समीक्षा बैठक

रायपुर/ संवाददाता

सरगुजा संभागायुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने शुक्रवार को संभागायुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में विकसित भारत-जी राम जी एवं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सहित ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की संभागस्तरीय समीक्षा की। बैठक में योजनाओं की प्रगति, निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध उपलब्धियां, लंबित प्रकरणों के निराकरण तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर सचिव एवं विकसित भारत-जी राम जी के अपर आयुक्त श्री एस. आलोक ने जिलेवार आबंटित लक्ष्यों एवं प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की। उन्होंने विभिन्न कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री दुग्गा ने कहा कि सरगुजा संभाग अनुसूचित जनजाति क्षेत्र है और यहां शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी जनपद पंचायतों के सीईओ को निर्देशित किया कि शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को जनपद स्तर एवं मैदानी अमले के कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए। बैठक में विकसित भारत-जी राम जी के अंतर्गत जुलाई एवं अगस्त माह में सृजित मानव दिवस तथा पिछले

वित्तीय वर्ष की तुलना में मानव दिवस सृजन की स्थिति की समीक्षा की गई। संभागायुक्त ने जिन क्षेत्रों में मानव दिवस सृजन अपेक्षाकृत कम है, वहां विशेष प्रयास कर निर्धारित लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विद्यालयों में आवश्यकतानुसार शौचालय निर्माण, मुक्तिधामों में प्रतीक्षालय एवं शेड निर्माण तथा जल संरक्षण एवं जल संचयन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने कहा। वर्षा जल के संरक्षण, भूजल स्तर बढ़ाने और पानी की बर्बादी रोकने के लिए आवश्यक कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायतों में स्वीकृत कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने शेष कार्यों को शीघ्र स्वीकृत कर समय पर पूर्ण कराने कहा। बैठक में विभिन्न बोरवेल रिचार्ज कार्यों की स्वीकृति, महात्मा गांधी नरेगा के अपूर्ण कार्यों को पूर्ण कराने तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के हितग्राहियों को 90 मानव दिवस का रोजगार उपलब्ध कराने की प्रगति की भी समीक्षा की गई। अपर आयुक्त श्री एस. आलोक ने विकसित भारत-जी राम जी के अंतर्गत अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने युक्तधारा में प्लान किए गए कार्यों की स्थिति की जानकारी लेते हुए कार्यों की नियमित निगरानी पर जोर दिया। संभागायुक्त ने सिक्योर पोर्टल के माध्यम से कार्यों की स्वीकृति, प्रत्येक ग्राम पंचायत में स्वीकृत कार्यों की स्थिति, एसएनए-स्पर्श के माध्यम से भुगतान, इस वर्ष स्वीकृत एवं रोपित पौधों की संख्या तथा एनएमएमएस के माध्यम से श्रमिकों की उपस्थिति की समीक्षा की। लंबित ई-केवाईसी तथा शून्य प्रविष्टि वाले मस्टर रोल के मामलों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए मैदानी स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने कहा। बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों की सराहना करते हुए उन्होंने अपेक्षाकृत कम प्रगति वाले जिलों को कार्यों में तेजी लाकर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, विशेष परियोजना एवं पीएम जनमन योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध स्वीकृत एवं पूर्ण आवासों की जिलेवार प्रगति की समीक्षा की गई।

संपादकीय

रेलवे स्टेशनों के पानी में मिले ज़हरीले बैक्टीरिया, यात्रियों की सेहत से खिलवाड़

रेलवे स्टेशनों से लेकर ट्रेन में सफर के दौरान परोसे या बेचे जाने वाले खानपान की घटिया गुणवत्ता के मामले अक्सर सामने आते रहे हैं। मगर कैग की रिपोर्ट में पीने के पानी में भी जिस तरह की गड़बड़ी बताई गई है, उससे व्यापक लापरवाही का ही पता चलता है।गौरतलब है कि हाल ही में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की एक रिपोर्ट में ये तथ्य सामने आए कि देश के कई रेलवे स्टेशनों के पानी में ई-कोलाई और कोलीफार्म जैसे जीवाणु पाए गए हैं। इस दौरान पांच सौ बारह स्टेशनों की जांच में चार सौ अट्ठावन पर जरूरी यात्री सुविधाओं की कमी मिली।रेल महकमा समय-समय पर किराया बढ़ाने को लेकर तो जरूरत से ज्यादा सजग दिखता है, लेकिन स्वच्छ पेयजल जैसी सबसे जरूरी चीज की भी उपलब्धता सुनिश्चित करने की उसे शायद कोई फिक्र नहीं है। लोगों को या तो स्टेशन पर लगे नल से असुरक्षित पानी पीना पड़ता है या फिर बोतलबंद पानी खरीदना पड़ता है।अब भले रेलवे ने पेयजल की गुणवत्ता सुधारने की बात कही है, लेकिन यह कब संभव होगा, यह देखने की बात होगी। यह जगजाहिर तथ्य है कि ट्रेन से अपने गंतव्य के लिए निकले लोग कई बार एक या दो दिन की लंबी यात्रा भी करते हैं। इस दौरान पानी न मिलने या फिर दूषित पेयजल की वजह से लोगों की सेहत बिगड़ने के मामले जब-तब सामने आते रहते हैं।सवाल है कि अगर टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को स्वच्छ पेयजल जैसी सबसे बुनियादी चीज भी मुश्किल से मिल पाती है, तो सरकार किस भरोसे भारतीय रेल को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाने के दावे करती रहती है! कुछ महंगी और अति-महत्त्वपूर्ण मानी जाने वाली ट्रेनों को छोड़ दें, तो क्या साधारण लोगों के लिए भी रेल यात्रा उतनी ही सहज या सुकूनदेह रह गई है?ट्रेन में सीट पर आराम से बैठ कर यात्रा कर पाना जहां चुनौती बन चुकी है, वहीं सफर के दौरान खाने-पीने का सामान कैसा मिलता है, यह अब कोई छिपी हकीकत नहीं रह गई है। मगर सबसे बुनियादी चीज- पीने के पानी तक की हालत अगर ऐसी है कि ज्यादातर स्टेशनों पर लगे नले से दूषित पेयजल मिलता है, तो इससे उपजे जोखिम के लिए कौन जिम्मेदार है?

पीएम मोदी का लालकिले से विकसित भारत का संकल्प

(अशोक भाटिया)

इस व्यापक संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए देश के चार प्रमुख वर्गों को विकास का मुख्य केंद्र बिंदु बनाया गया है, जिन्हें युवा, महिला, किसान और गरीब के रूप में रेखांकित किया गया है। इन चारों स्तंभों के समग्र सशक्तिकरण के बिना किसी भी विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती।

ऐतिहासिक लालकिले की प्राचीर केवल पत्थरों की एक संरचना नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्र भारत के उतार-चढ़ाव, उसकी आकांक्षाओं, उसकी नियति और उसके सामूहिक संकल्पों की मूक गवाह रही है। हर वर्ष 15 अगस्त को इस प्राचीर से देश के प्रधानमंत्री जब राष्ट्र को संबोधित करते हैं, तो वह केवल एक औपचारिक भाषण नहीं होता, बल्कि वह आने वाले समय के लिए देश का नीतिगत और वैचारिक रोडमैप होता है। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी ऐतिहासिक प्राचीर से वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का जो अटूट संकल्प दोहराया है, वह देश की समकालीन राजनीति, अर्थव्यवस्था और समाज के लिए एक युगांतकारी मोड़ है। विकसित भारत का यह विजन महज़ एक राजनीतिक नारा नहीं है, बल्कि यह 140 करोड़ नागरिकों की सामूहिक चेतना को जगाने और उन्हें राष्ट्र निर्माण के एक महायज्ञ में आहुति देने के लिए प्रेरित करने वाला एक व्यापक राष्ट्रीय दर्शन है। जब हम इस विराट संकल्प की बात करते हैं, तो हमें इसके ऐतिहासिक संदर्भ और प्रासंगिकता को गहराई से समझना होगा। भारत ने लगभग दो सदियों तक औपनिवेशिक दासता और आर्थिक शोषण का दंश झेला है। 1947 में जब देश स्वतंत्र हुआ, तब हमारी अर्थव्यवस्था जर्जर थी, साक्षरता दर दयनीय थी और अकाल तथा गरीबी जैसी बुनियादी चुनौतियां हमारे सामने थीं। शुरुआती दशकों में भारत का मुख्य ध्यान आत्मनिर्भरता और बुनियादी अस्तित्व की रक्षा पर था। हमने खाद्यान्न संकट से निपटने के लिए हरित क्रांति की, अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए सैन्य तंत्र को मजबूत किया और धीरे-धीरे एक ठोस औद्योगिक आधार तैयार किया। आज, स्वतंत्रता के इस दौर में, भारत उस स्थिति से बहुत आगे निकल चुका है और अब हम केवल एक अस्तित्व बनाए रखने वाले देश नहीं हैं, बल्कि हम वैश्विक पटल पर एक नई दिशा तय करने वाले राष्ट्र बन चुके हैं। यह संकल्प इस बात का प्रतीक है कि अब भारत अपनी विकासशील छवि के खोल को तोड़कर वैश्विक शक्तियों की अग्रिम पंक्ति में खड़े होने के लिए पूरी तरह तैयार है। 2047 का वर्ष इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारी स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष होगा, और कोई भी राष्ट्र अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर दुनिया के सामने अपनी सफलता का क्या प्रमाण प्रस्तुत करता है, यही उसका वास्तविक ऐतिहासिक मूल्यांकन होता है।

इस व्यापक संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए देश के चार प्रमुख वर्गों को विकास का मुख्य केंद्र बिंदु बनाया गया है, जिन्हें युवा, महिला, किसान और गरीब के रूप में रेखांकित किया गया है। इन चारों स्तंभों के समग्र सशक्तिकरण के बिना किसी भी विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती। भारत आज दुनिया का सबसे युवा देश है और हमारी जनसांख्यिकीय लाभांश हमारी सबसे बड़ी ताकत है। विकसित भारत का सपना तभी सच हो सकता है जब इस युवा ऊर्जा को सही दिशा, उत्कृष्ट शिक्षा और वैश्विक स्तर का कौशल मिले। देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम का तेजी से विस्तार और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना इसी दिशा में उठाए गए बड़े कदम हैं। इसके साथ ही, विकसित भारत का दूसरा अनिवार्य पहलू महिलाओं का सशक्तिकरण और उनके नेतृत्व में होने वाला विकास है। जब तक देश की आधी आबादी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से

पूरी तरह सक्रिय नहीं होगी, तब तक विकास की रफ्तार अधूरी रहेगी। सेनाओं में महिलाओं की भागीदारी से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती महिलाओं की बढ़ती संख्या इस बात का प्रमाण है कि वे अब नीति निर्धारण के केंद्र में आ रही हैं। इसी तरह, भारत की आत्मा आज भी गांवों में बसती है और हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि है। विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए कृषि क्षेत्र में तकनीकी सुधार, आधुनिक खेती को बढ़ावा और वैश्विक कृषि आपूर्ति श्रृंखला में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना आवश्यक है। किसान जब पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर आधुनिक कृषि-उद्यमी बनेगा, तभी ग्रामीण भारत समृद्ध होगा। अंत में, अंत्योदय की भावना के अनुरूप समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचना चाहिए, क्योंकि किसी भी राष्ट्र को तब तक विकसित नहीं कहा जा सकता जब तक कि बहुआयामी गरीबी का पूरी तरह उन्मूलन न हो जाए और हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन स्तर न मिल जाए।

आर्थिक मोर्चे पर, भारत आज दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और शीर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं की ओर अग्रसर है। लेकिन विकसित देश बनने के लिए हमें केवल सकल घरेलू उत्पाद के आकार को ही नहीं बढ़ाना है, बल्कि प्रति व्यक्ति आय और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में भी गुणात्मक सुधार करना होगा। इसके लिए विनिर्माण और आत्मनिर्भरता पर विशेष बल देना आवश्यक है। मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत आज मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, रक्षा उत्पादन और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है। रक्षा क्षेत्र में, जहां कभी हम पूरी तरह आयातों पर निर्भर थे, आज हम स्वदेशी अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों का निर्माण कर रहे हैं और उनका निर्यात भी बढ़ा रहे हैं। भारतीय कॉर्पोरेट जगत को अब वैश्विक कंपनियों की तर्ज पर अपनी क्षमता का विस्तार करना होगा ताकि भारतीय ब्रांड दुनिया भर के बाजारों में अग्रणी भूमिका निभा सकें। इसके साथ ही, देश के बुनियादी ढांचे का कायाकल्प किया जा रहा है। आधुनिक रेलवे, एक्सप्रेसवे का विस्तृत नेटवर्क, जलमार्गों का विकास और हवाई अड्डों का आधुनिकीकरण देश की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और व्यापार को सुगम बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। एक मजबूत और आधुनिक बुनियादी ढांचा ही विकसित भारत की ठोस नींव बनेगा, जो देश के औद्योगिक विकास को नई गति प्रदान करेगा।

तकनीक और नवाचार के इस युग में जो देश अग्रणी रहेगा, वही दुनिया के भविष्य को दिशा देगा। भारत ने डिजिटल क्षेत्र में जो क्रांति की है, उसने दुनिया के विकसित देशों को भी अचंभित किया है। हमारा डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल लेनदेन की व्यवस्था आज वैश्विक स्तर पर एक मिसाल बन चुकी है। भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि वह केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं है, बल्कि वह विश्व को सस्ती, सुरक्षित और समावेशी तकनीक देने वाला प्रदाता भी है। विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ता निवेश इस विजन को और स्पष्ट करता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर मिशन, क्वांटम कंप्यूटिंग, अंतरिक्ष अनुसंधान और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में भारत का बढ़ता कदम यह दर्शाता है कि हम भविष्य की तकनीकों के मामले में दुनिया के अग्रणी देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर और संप्रभु होना विकसित भारत की एक अनिवार्य शर्त है, जो हमें वैश्विक मंच पर एक अद्वितीय पहचान दिलाएगी।

संकल्प जितना विराट होता है, उसकी राह की चुनौतियां भी उतनी ही कठिन होती हैं। विकसित भारत के मार्ग में कई आंतरिक और बाह्य चुनौतियां हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ क्षेत्रीय और सामाजिक असमानता को पाटना एक बड़ी चुनौती है। विकास का लाभ समाज के हर वर्ग और देश के हर कोने तक समान रूप से पहुंचना चाहिए। इसके अलावा, भारत को पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच एक कुशल संतुलन बनाना होगा। जलवायु परिवर्तन के खतरों को देखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना और सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करना युद्धस्तर पर आवश्यक है। प्रशासनिक स्तर पर, हमारी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और नागरिक-अनुकूल बनना होगा, क्योंकि लालफीताशाही और भ्रष्टाचार विकास की गति को धीमा करते हैं। वैश्विक मोर्चे पर, वर्तमान समय की भू-राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक व्यवधान भी हमारे सामने चुनौतियां खड़ी करते हैं, जिनसे निपटने के लिए भारत को अपनी कूटनीतिक कुशलता और आंतरिक आर्थिक सुदृढ़ता को निरंतर मजबूत बनाए रखना होगा।

इस पूरे महायज्ञ में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका देश के नागरिकों की है। कोई भी देश केवल सरकार की नीतियों, बजट या घोषणाओं से विकसित नहीं बनता। सरकार मार्ग प्रशस्त कर सकती है, बुनियादी ढांचा दे सकती है, लेकिन उस पर चलकर देश को आगे ले जाने का काम नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से ही संभव होता है। विकसित भारत का संकल्प तब तक अधूरा है जब तक देश का हर नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति पूरी तरह सजग नहीं होता। चाहे वह करों का ईमानदारी से भुगतान करना हो, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना हो, पर्यावरण को बचाना हो, या फिर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पूर्ण ईमानदारी और उत्कृष्टता के साथ योगदान देना हो–ये सभी नागरिक प्रयास मिलकर एक विशाल राष्ट्रीय शक्ति का निर्माण करते हैं। जब देश के नागरिक राष्ट्र प्रथम की भावना को अपने जीवन का मूल मंत्र बना लेंगे, तो भारत की प्रगति को कोई रोक नहीं पाएगा। निष्कर्षतः विकसित भारत का संकल्प केवल आर्थिक आंकड़ों या ऊंची इमारतों तक सीमित नहीं है। इसका वास्तविक अर्थ एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जो आर्थिक रूप से समृद्ध हो, तकनीकी रूप से अग्रणी हो, सामाजिक रूप से समरस और न्यायपूर्ण हो, और सांस्कृतिक रूप से अपनी समृद्ध जड़ों से जुड़ा हुआ हो। यह एक ऐसे भारत का सपना है जहां हर नागरिक को समान अवसर, उत्कृष्ट शिक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा मिले।

विभाजन विभीषिका- हिन्दू नरसंहार की मर्मांतक दास्तां

(कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल)

हमें ये जानना ज़रूरी है कि उस समय भारत विभाजन के लिए किस प्रकार से अंग्रेज अपनी चाल चल रहे थे? मुस्लिम लीग किस प्रकार से दंगों के आतंकी क्रूर चेहरे के रूप में उभर रही थी? कैसे पंडित नेहरू मुस्लिम लीग की ज़िद के आगे घुटने टेक रहे थे? दरअसल, भारत विभाजन को लेकर माउंटबेटन -नेहरू और एडविना की छुट्टियों के दौरान ही माउंटबेटन के भारत विभाजन संबंधी मसौदे को पंडित नेहरू ने स्वीकार कर लिया था। इससे संबंधित घटनाक्रमों का सविस्तार वर्णन तत्कालीन ब्रिटिश पत्रकार और इतिहासकार लियोनार्ड मोसली ने अपनी पुस्तक द लास्ट डेज ऑफ द ब्रिटिश राज में किया है। यानी भारत विभाजन

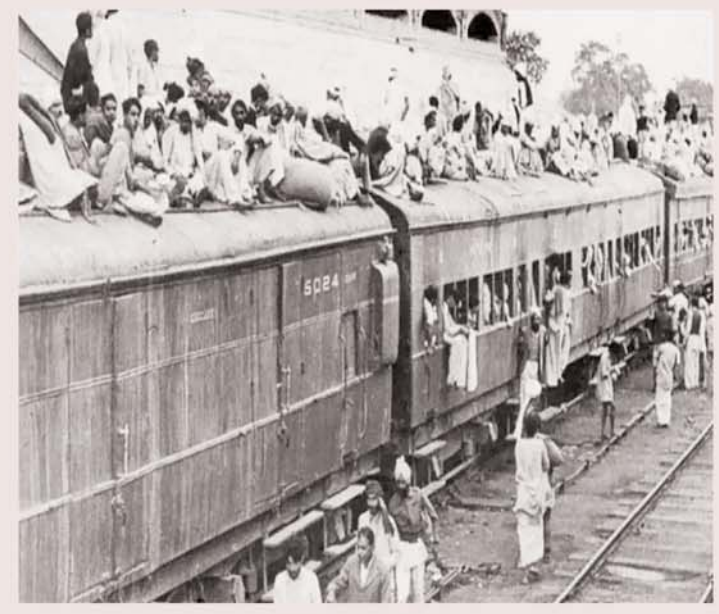

जब अंग्रेजों ने पटकथा रची तो वो हर वो दांव-पेंच आजमा रहे थे।

भारत 15 अगस्त 1947 को स्वाधीन हुआ लेकिन स्वाधीनता के साथ विभाजन की वीभत्स त्रासदी ने राष्ट्र को कभी न भर पाने वाले असह्य घाव दिए। उस समय हुए हिन्दुओं के नरसंहार और उसकी पीड़ा से पूरा देश कांप गया। जिसकी मर्मांतक चीखें अब भी सुनाई देती हैं।अतीत को जानना आवश्यक हो जाता है।आइए इतिहास के पन्ने पलटते हैं। हमें ये जानना ज़रूरी है कि उस समय भारत विभाजन के लिए किस प्रकार से अंग्रेज अपनी चाल चल रहे थे? मुस्लिम लीग किस प्रकार से दंगों के आतंकी क्रूर चेहरे के रूप में उभर रही थी? कैसे पंडित नेहरू मुस्लिम लीग की ज़िद के आगे घुटने टेक रहे थे? दरअसल, भारत विभाजन को लेकर जब अंग्रेजों ने पटकथा रची तो वो हर वो दांव-पेंच आजमा रहे थे। जो कि उनके मंसूबों को पूरा कर सके। उस समय पंडित जवाहरलाल नेहरू, भारत विभाजन के लिए आए माउंटबेटन और उसकी पत्नी एडविना के साथ 10 मई 1947 से कई दिनों तक शिमला में पार्टियां कर रहे थे। इतना ही नहीं माउंटबेटन ने एलिजाबेथ द्वारा दी गई महंगी कार रोल्स रॉयल्स पंडित नेहरू को दी थी। नेहरू इसी में यात्राएं करते थे। फिर शिमला में के लिए मुस्लिम लीग और जिन्ना तो उतावले थे ही साथ ही पंडित नेहरू की भी भूमिका संदिग्ध और विभाजन के पक्ष में ही स्पष्ट प्रतीत होती है।

उस समय कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा भारत विभाजन की माउंटबैटन योजना को स्वीकार करने की तैयारियों का महात्मा गांधी ने भी विरोध किया था। लेकिन उनकी आगे नहीं चली और 3 जून 1947 को पंडित नेहरू की अगुवाई में कांग्रेस ने अंग्रेजों के विभाजन प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। उन्होंने इस सन्दर्भ में मनु गांधी से 1 जून 1947 को चर्चा की थी। मनु को अपने दिल की बात कहते हुए महात्मा गांधी ने बताया– आज मैं अपने को अकेला पाता हूँ। लोगों को लगता है कि मैं जो सोच रहा हूँ वह एक भूल है। भले ही मैं कांग्रेस का चवन्नी का सदस्य नहीं हूँ लेकिन वे सब लोग मुझे पूछते है, मेरी सलाह लेते है। आजादी के कदम उलटे पड़ रहे हैं, ऐसा मुझे लगता है। हो सकता है आज इसके परिणाम तत्काल दिखाई न दे, लेकिन हिन्दुस्तान का भविष्य मुझे अच्छा नहीं दिखाई देता। हिन्दुस्तान की भावी पीढ़ी की आह मुझे न लगे कि हिंदुस्तान के विभाजन में गांधी ने भी साथ दिया था। (गांधी सम्पूर्ण वांग्मय, खंड 88, पृष्ठ 43-44)।

अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष 2026- 79 प्रतिशत योगदान, फिर भी जमीन के हक से दूर महिला किसान

(मनीष अग्रहरि)

संयुक्त राष्ट्र ने महिलाओं के कृषि एवं बागवानी के कार्यों में महत्त्व को मान्यता देने और लैंगिक असमानता को खत्म करने के लिए वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के रूप में मनाए जाने की घोषणा की है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में महिलाओं की आबादी 48.4 फीसद है, इसके बावजूद खेती और बागवानी में उनकी आधे से भी अधिक की भागीदारी है। ग्रामीण महिलाएं दैनिक श्रमसाध्य पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के साथ-साथ बागवानी से जुड़े कार्यों में 79 फीसद तथा खेती में लगभग 75 फीसद सक्रिय हिस्सेदारी करती हैं, फिर भी यह कटु सत्य है कि किसान तो पुरुष ही कहलाता है। जब भी किसान की बात आती है, तो हम सबके मन-मस्तिष्क में प्रायः पुरुष किसान ही उभरता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष 2026- देश में 75 प्रतिशत कृषि कार्य महिलाओं द्वारा किए जाने के बावजूद मात्र 14 प्रतिशत भूमि पर उनका मालिकाना हक है। इस लैंगिक असमानता को दूर कर महिला किसानों को पहचान, भूमि अधिकार, वित्तीय लाभ व उचित सम्मान देना अनिवार्य है।

संयुक्त राष्ट्र ने महिलाओं के कृषि एवं बागवानी के कार्यों में महत्त्व को मान्यता देने और लैंगिक असमानता को खत्म करने के लिए वर्ष 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के रूप में मनाए जाने की घोषणा की है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में महिलाओं की आबादी 48.4 फीसद है, इसके बावजूद खेती और बागवानी में उनकी आधे से भी अधिक की भागीदारी है।

ग्रामीण महिलाएं दैनिक श्रमसाध्य पारिवारिक जिम्मेदारियों के निर्वहन के साथ-साथ बागवानी से जुड़े कार्यों में 79 फीसद तथा खेती में लगभग 75 फीसद सक्रिय हिस्सेदारी करती हैं, फिर भी यह कटु सत्य है कि किसान तो पुरुष ही कहलाता है। जब भी किसान की बात आती है, तो हम सबके मन-मस्तिष्क में प्रायः पुरुष किसान ही उभरता है।

ऐसे विरोधाभास में संयुक्त राष्ट्र की पहल पर सरकार और समाज को देश की महिला किसानों के उत्थान के लिए संजीदगी से विचार करना होगा, क्योंकि आज भी वास्तविकता से हटकर पूरी दुनिया में महिला किसानों के महत्त्वपूर्ण योगदान के बावजूद उनके कार्यों को हाशिये पर रखा जाता है।

देश में उदारीकरण, निजीकरण और औद्योगीकरण के बाद पुरुषों का गांवों से पलायन बढ़ा है। ऐसे में महिलाओं ने रोजमर्रा के घरेलू कार्यों के साथ-साथ कृषि एवं संबद्ध कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभानी शुरू की है। आज यंत्रीकरण के बावजूद धान की रोपाई करते हुए आमतौर पर महिलाएं ही देखी जाती हैं। इसके अलावा वे सारे कार्य जो खेती में श्रम प्रधान हैं, जैसे- बुआई, गुड़ाई, कटाई, ओसाई, भंडारण, प्रसंस्करण तथा चारा उत्पादन, ये सभी सर्वाधिक महिलाओं के खाते में ही दर्ज होते हैं।

मत्स्य पालन, पशुपालन और बागवानी में भी कमोबेश यही स्थिति है। इसके बावजूद राजस्व अभिलेखों में इनका अदृश्य होना अनेक सवाल खड़ा करता है। वर्ष 2023-24 के आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार, देश में प्रत्येक तीन में से दो ग्रामीण महिलाएं कृषि समुदाय का हिस्सा हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में अस्सी फीसद महिलाएं कृषि में संलग्न है।

इसी तरह लोकसभा में दी गई सूचना के अनुसार, महिला कृषि श्रमिकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, तो दूसरी तरफ पुरुष कृषि श्रमिकों में गिरावट देखने को मिल रही है। जनगणना-2011 के आंकड़ों के अनुसार, देश में 3.6 करोड़ महिला किसान तथा 6.15 करोड़ महिला कृषि श्रमिक हैं। इस तरह, कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में महिलाओं की बड़ी भागीदारी होने के बावजूद उन्हें पूरे हक-हकूक नहीं मिल पा रहे हैं।

यही कारण है कि महिला किसानों और श्रमिकों की इतनी बड़ी आबादी होने के बावजूद तकरीबन चौदह फीसद महिला किसानों का नाम ही कृषि योग्य भूमि एवं राजस्व अभिलेख में अंकित है। इसी तरह महिला कृषि श्रमिकों के नाम महज दो फीसद ही हैं। वर्ष 2019 में शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अनुसार, पंजाब जैसे समृद्ध राज्य में महिलाओं के नाम अभी भी कृषि योग्य भूमि पर मात्र एक फीसद ही दर्ज हैं।

ऐसा नहीं है कि खेती में महिलाओं की हकदारी में असमानता सिर्फ भारत में ही है, बल्कि पूरी दुनिया में उनके नाम खेत का स्वामित्व न होना एक बड़ा विभेद खड़ा करता है। एक अनुमान के मुताबिक, विकासशील देशों में आधी से अधिक आबादी खेती में संलग्न है, मगर भूमि का स्वामित्व सिर्फ पंद्रह फीसद महिलाओं के पास ही है। इस तरह कृषि के क्षेत्र में पूरी दुनिया में लैंगिक असमानता कायम है। देश में महिला किसानों की तरक्की में सबसे बड़ा रोड़ा अभिलेखजनित असमानता ही है, क्योंकि खेती योग्य भूमि का स्वामित्व (खसरा, खतौनी में नाम) न होने के कारण अनेक प्रकार की सरकारी योजनाओं और औपचारिक वित्तीय लाभ खासतौर से किसान क्रेडिट कार्ड एवं सरकारी अनुदान से महिलाएं कोसों दूर हो जाती हैं। लागत को घटाने के लिए इस समय कृषि यंत्रों पर जोर है, मगर महिलाओं के अनुकूल कृषि यंत्र बहुत कम उपलब्ध हैं। सरकार को इस मसले पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए। महिलाएं देश, समाज और परिवार के लिए कितना योगदान दे रही हैं, उसे आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के आंकड़ों से समझा जा सकता है। इसके अनुसार, महिलाएं चूल्हा-चौका, बच्चों के पालन-पोषण समेत अन्य घरेलू कार्यों के दबाव के चलते तकरीबन ढाई गुना से अधिक समय अवैतनिक कार्यों में गुजार देती हैं। इससे उनका बाजार उन्मुखीकरण और उच्च मूल्य वाले कार्यों में भागीदारी मूल्य श्रृंखला में सबसे ऊपर होने की संभावना सर्वाधिक न्यून हो जाती है।

संविधान का अनुच्छेद-14 सभी को समानता का अधिकार देता है, इससे महिलाओं को सामान कार्य का सामान मेहनताना मिलना चाहिए। मगर संवैधानिक व्यवस्था से इतर महिलाओं को व्यावहारिक रूप से पुरुषों की अपेक्षा कृषि कार्यों का मेहनताना कम दिया जाता है। इसी प्रकार अनुच्छेद- 21 गरिमापूर्ण जीवन की गारंटी देता है, मगर कृषि क्षेत्र के असंगठित होने के कारण कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों का निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष अधिनियम, 2013 भी लागू नहीं हो पाता है। केवल संगठित और बड़े कार्यस्थलों में ही यह मूर्त रूप ले पाता है। इससे खेती आधारित गतिविधियों में कई बार महिलाएं यौन उत्पीड़न और हिंसा की शिकार हो जाती हैं और न्याय के लिए उन्हें दर-दर भटकना पड़ता है। ऐसे में संविधान प्रदत्त गरिमापूर्ण जीवन और समानता की बात कल्पना से परे है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधीन कार्य करने वाली कृषि अनुसंधान एवं प्रसार की सर्वोच्च संस्था भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने महिला किसानों के उत्थान के लिए वर्ष 1996 में भुवनेश्वर में केंद्रीय महिला कृषि संस्थान की स्थापना की थी। इसका उद्देश्य कृषि में महिलाओं के अनुरूप तकनीक और आजीविका पर केंद्रित अनुसंधान करना है। इसी प्रकार स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से वित्तीय समावेशन बढ़ा है, नमो ड्रोन दीदी योजना से हुनरमंद महिलाएं तरक्की की नई इबारत लिख रही हैं, लखपति दीदी योजना से भी लाभ हो रहा है। इसके अलावा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, नाबार्ड और राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान के संयुक्त सहयोग से एग्री क्लीनिक और एग्री बिजनेस सेंटर योजना के माध्यम से महिला कृषि उद्यमी तैयार हो रही हैं। इसी तरह कृषि अवसंरचना कोष समेत अनेक योजनाएं आज संचालित हो रही हैं। फिर भी वास्तविक किसान के रूप में जमीन का मालिकाना हक न मिल पाने के कारण दिन-रात खेत में कार्य करने वाली महिला किसानों को नवाचारों में निर्णय लेने की शक्ति, कृषि उत्पादों में सौदेबाजी, संस्थागत कर्ज लेने और सबसिडी की सुविधा नहीं मिल पाती है। अब यह समय की मांग है कि सरकार, निजी संस्थाएं और समाज तीनों मिलकर महिला किसानों को खेती जैसे महत्त्वपूर्ण संसाधन के हक-हकूक दिलाने के लिए नीतिगत निर्णय के साथ उन्हें समान अधिकार और सम्मान दिलाएं।

कमिश्नर डोमन सिंह ने भोपालपट्टनम में कार्यालयीन व्यवस्थाओं का लिया जायजा

स्ट्रांग रूम की तर्ज पर सुरक्षित होगा तहसील का रिकॉर्ड रूम

बीजापुर। बस्तर संभागायुक्त डोमन सिंह शनिवार को भोपालपट्टनम पहुंचे। उन्होंने एसडीएम, तहसील, जनपद पंचायत, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यालयीन कामकाज, रिकॉर्ड और राजस्व प्रकरणों की स्थिति देखी। कमिश्नर ने अधिकारियों को आम लोगों से जुड़े मामलों को प्राथमिकता देते हुए तय समय में निराकरण करने के निर्देश दिए।

रिकॉर्ड की सुरक्षा पर फोकस–तहसील के रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण करते हुए कमिश्नर ने अभिलेखों को व्यवस्थित और सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने रिकॉर्ड रूम को निर्वाचन के स्ट्रांग रूम की तर्ज पर सुरक्षित बनाने पर जोर दिया, ताकि भू-स्वामियों के रिकॉर्ड और महत्वपूर्ण दस्तावेज सुरक्षित रह सकें। प्रस्तावित भू-अर्जन क्षेत्र में नियम के अनुसार भूमि की खरीदी-बिक्री पर प्रतिबंध की कार्रवाई करने को कहा। जिन भू-अर्जन मामलों में अवार्ड पारित हो चुके हैं,

उनमें राजस्व रिकॉर्ड में जरूरी दुरुस्तीकरण समय पर करने के निर्देश दिए। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के मामलों को संवेदनशीलता के साथ जल्द निपटाने और पात्र परिवारों को आर्थिक सहायता देने को कहा।

स्कूलों की व्यवस्थाएं भी देखीं–जनपद पंचायत में ई-ऑफिस के कामकाज की समीक्षा की गई। खंड शिक्षा अधिकारी और बीआरसी कार्यालय में पंजियों और दस्तावेजों का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने सभी रिकॉर्ड अपडेट रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों को मिलने वाली निःशुल्क किताबें, गणवेश, मध्यान्ह भोजन और न्यौता भोज की जानकारी ली। महिला एवं बाल विकास कार्यालय में बच्चों और माताओं को योजनाओं का लाभ समय पर देने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने अधिकारियों-कर्मचारियों को कार्यालयीन कामकाज में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने के साथ बेहतर लोक सेवाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम बीजापुर जागेश्वर कोशल, एसडीएम भोपालपट्टनम यशवंत नाग सहित जनपद सीईओ, तहसीलदार और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

फर्जी कॉल, लिंक और डिजिटल अरेस्ट से रहें सावधा, पुलिस ने छात्रों को दी साइबर सुरक्षा की जानकारी

बीजापुर । ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों के बीच बीजापुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे साइबर जागृति अभियान के तहत शनिवार को एकलव्य विद्यालय बीजापुर और हायर सेकंडरी स्कूल भैरमगढ़ में साइबर जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों को साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यशाला में पुलिस ने फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक, ओटीपी फ्रॉड, ऑनलाइन शॉपिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया के जरिए होने वाले अपराध, फर्जी निवेश व नौकरी के नाम पर ठगी तथा डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों के बारे में समझाया। विद्यार्थियों को अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने और ओटीपी, पिन, सीवीवी सहित बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी गई।

सोशल मीडिया पर बरतें सावधानी विद्यार्थियों को सोशल मीडिया अकाउंट की प्राइवेसी सेटिंग सुरक्षित रखने और साइबर बुलिंग, संदिग्ध मैसेज या अनजान कॉल आने पर सतर्क रहने कहा गया। लगातार परेशान करने वाले या संदिग्ध नंबरों की संचार साथी पोर्टल की 'चक्षु' सुविधा के माध्यम से रिपोर्ट करने की जानकारी भी दी गई। पुलिस ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे स्वयं साइबर अपराधों से सतर्क रहें और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के प्रति जागरूक करें। अभियान के तहत जिले के स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

'बस्तर मुन्ने' में शत-प्रतिशत सैचुरेशन करें : कमिश्नर

बीजापुर। बस्तर संभाग कमिश्नर डोमन सिंह ने शनिवार को इंद्रावती सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने 'बस्तर मुन्ने' के तहत शत-प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित करने और सभी पात्र हितग्राहियों की पोर्टल में एंट्री पूरी करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, बीवीजी रामजी कार्ड, श्रम कार्ड और प्रधानमंत्री आवास सहित चिन्हित 31 सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने को कहा।

राजस्व मामलों में तेजी–मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायतों का समयबद्ध निराकरण करने के साथ राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों को जल्द निपटाने के निर्देश दिए। जाति-निवास प्रमाण पत्र, वनाधिकार पत्र, फौती नामांतरण और अतिक्रमण से जुड़े मामलों में भी तेजी लाने को कहा। कलेक्टर विश्वदीप ने जिले में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति का प्रस्तुतिकरण दिया। बैठक में जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे, संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

'मासूमो की सुरक्षा भी ख़तरे में सरकारी नूकसान का जिम्मेदार कौन अब जांच और जवाबदेही की दरकार

पवन कुमार नाग जिला बस्तर जगदलपुर से मामला है करपावड वन परिक्षेत्र का

सरकारी संपत्ति की बर्बादी पर खामोश क्यों है विभाग, जवाबदेही एतय करने की उठी मांग

बस्तर। जिसे बस्तर के जंगलों का 'हरा सोना' कहा जाता है, वही तेंदूपत्ता आज जिम्मेदारों की कथित लापरवाही के बीच सड़ने के लिए पड़ा हुआ नजर आ रहा है। तेंदूपत्ते से भरे बोरे खुले में पड़े हैं और बारिश के मौसम में इनके खराब होने का खतरा लगातार बना हुआ है। ऐसे में सवाल सिर्फ तेंदूपत्ते के खराब होने का नहीं, बल्कि शासन की संपत्ति और जनता के पैसों की जवाबदेही का है।आखिर लाखों रुपये की सरकारी संपत्ति को इस तरह खुले में

छोड़ने की नौबत क्यों आई? तेंदूपत्ता सुरक्षित स्थान पर क्यों नहीं रखा गया? समय रहते विभागीय अधिकारियों ने इसकी सुध क्यों नहीं ली? और यदि यह तेंदूपत्ता खराब होकर नष्ट होता है, तो इस नुकसान की भरपाई कौन करेगा और इसकी जिम्मेदारी किस अधिकारी की तय होगी?

बच्चों की जान पर भी मंडरा रहा खतरा

चिंता की बात यह है कि जहां तेंदूपत्ते के बोरे पड़े हैं, वहां ग्रामीणों और बच्चों की आवाजाही भी होती है। बच्चे खेलते-खेलते इन बोरों के आसपास पहुंच सकते हैं। बारिश के मौसम में बोरे और उनके आसपास के स्थानों पर सांप-बिच्छू जैसे जहरीले जीवों का खतरा भी बना रहता है। यदि किसी मासूम बच्चे के साथ कोई अनहोनी घटना घट जाती है, तो क्या विभाग तब जागेगा? ग्रामीणों का यही सवाल अब जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न खड़ा कर रहा है।

कागजों में नहीं, जमीन पर दिखे कार्रवाई

ग्रामीणों का कहना है कि शासन द्वारा वन उपज की खरीदी और उसके संरक्षण पर राशि खर्च की जाती है। ऐसे में तेंदूपत्ते को खुले में छोड़कर बर्बाद होने देना गंभीर विषय है। पूरे मामले में मौके का निरीक्षण कर यह पता लगाया जाना चाहिए कि तेंदूपत्ता कब खरीदा गया, कितनी मात्रा में खरीदा गया, कहां भंडारण किया

नाम वापसी के बाद अध्यक्ष पद पर 4 दावेदार, 31 को मतदान, जिला पत्रकार संघ सह प्रेस क्लब चुनाव : 23 अगस्त को चुनाव चिन्ह मिलेंगे

बीजापुर। जिला पत्रकार संघ सह प्रेस क्लब के चुनाव में नाम वापसी के बाद मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है। अध्यक्ष पद पर अब चार प्रत्याशी मैदान में हैं। नाम वापसी के अंतिम दिन बी. गौतम राव ने अध्यक्ष के साथ सचिव और कोषाध्यक्ष पद से भी अपनी दावेदारी वापस ले ली। अध्यक्ष पद के लिए कमलेश पैंकरा, के. संतोष कुमार, गणेश मिश्रा और ईश्वर सोनी के बीच मुकाबला होगा। वहीं, सचिव पद पर आशीष पदमवार, इरशाद खान और बसंत मामडीकर मैदान में हैं। कोषाध्यक्ष पद के लिए प्रसून शर्मा और सिरोज विश्वकर्मा के बीच मुकाबला होगा। 23 अगस्त को सभी प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। निर्वाचन अधिकारी अशोक मिश्रा और अयूब खान ने बताया कि चुनाव के लिए कुल 12 नामांकन जमा हुए थे। इनमें अध्यक्ष पद के लिए 5, सचिव के लिए 4

और कोषाध्यक्ष पद के लिए 3 नामांकन शामिल थे। 21 अगस्त को नामांकन पत्रों की जांच पूरी हुई और 22 अगस्त को नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी कर ली गई।

46 सदस्य करेंगे मतदान–चुनाव की मतदाता सूची को लेकर भी प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। 1 अगस्त को मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन किया गया था। दावा-आपत्ति के बाद संगठन विरोधी गतिविधियों के आरोप में 19 सदस्यों को निष्कासित किया गया। इसके बाद 13 अगस्त को 46 सदस्यों की संशोधित मतदाता सूची जारी की गई।

23 को चुनाव चिन्ह, 31 को फैसला–नाम वापसी के बाद अब चुनाव चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया बाकी है। 23 अगस्त को प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह दिए जाएंगे। इसके बाद चुनाव प्रचार जोर पकड़ेगा। 31 अगस्त को मतदान होगा और इसी दिन मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराने की तैयारी है। मतदान केंद्र पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन और पुलिस का सहयोग लिया जाएगा।चुनाव कार्यक्रम

- 1 अगस्त – मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन- 13 अगस्त – संशोधित मतदाता सूची जारी- 20 अगस्त – नामांकन की अंतिम तिथि- 21 अगस्त – नामांकन पत्रों की जांच- 22 अगस्त – नाम वापसी पूरी- 23 अगस्त – चुनाव चिन्ह आवंटन- 31 अगस्त – मतदान, मतगणना और परिणाम

सक्ती पुलिस की बड़ी की बढ़ी सफलता : 20 लाख रुपये कीमत के 100 गुम मोबाइल बरामद

पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में साइबर सेल सक्ती को मिली बड़ी सफलता

बीजापुर। जिले के आम नागरिकों के गुम हुए मोबाइल फोन की पतासाजी एवं बरामदगी के लिए पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर के निर्देशन में तथा साइबर नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल के नेतृत्व में साइबर सेल सक्ती द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत साइबर सेल ने 100 नग एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये है। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आम नागरिकों द्वारा अपने एंड्रॉयड मोबाइल फोन गुम होने की सूचना दर्ज कराई गई थी। इन मोबाइल फोन की तकनीकी सहायता से पतासाजी की जा रही थी। साइबर सेल द्वारा जिले के साथ-साथ राज्य के अन्य जिलों एवं अन्य राज्यों से गुम हुए मोबाइल फोन की जानकारी सभी थाना एवं चौकी से एकत्र कर उनकी तलाश एवं बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

जनवरी 2026 से अब तक 240 मोबाइल बरामद –सक्ती पुलिस द्वारा साइबर सेल की तकनीकी सहायता से जनवरी 2026 से अब तक कुल 240 गुम मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत 50 लाख रुपये से अधिक है। इनमें से पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पूर्व में 140 नग मोबाइल फोन, कीमत करीब 30 लाख रुपये, उनके वास्तविक धारकों को अलग-अलग अवसरों पर सुपुर्द किए जा चुके हैं। इसी क्रम में 100 नग बरामद मोबाइल फोन आज उनके धारकों को वापस किए गए। मोबाइल फोन वापस मिलने पर नागरिकों ने सक्ती पुलिस एवं साइबर सेल का आभार व्यक्त किया। कई नागरिकों को अपने गुम मोबाइल फोन वापस मिलने की उम्मीद नहीं थी, लेकिन साइबर सेल की तकनीकी सहायता से मोबाइल बरामद कर उन्हें वापस किए जाने से उनमें खुशी का माहौल रहा।

नागरिकों से पुलिस की अपील –सक्ती पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अपने मोबाइल फोन को सुरक्षित एवं संभालकर रखें। मोबाइल फोन गुम अथवा चोरी होने की स्थिति में तत्काल आवश्यक दस्तावेजों के साथ नजदीकी थाना में सूचना दें। पुलिस ने विशेष रूप से भीड़भाड़ वाले स्थानों, हाट-बाजार, मेला एवं मड़ाई आदि में मोबाइल फोन का उपयोग करते समय सावधानी बरतने की अपील की है, क्योंकि ऐसे स्थानों पर मोबाइल गुम होने की घटनाएं अधिक होती हैं। यदि किसी व्यक्ति को रास्ते में कोई मोबाइल फोन पड़ा हुआ मिले तो उसे अपने पास रखने के बजाय तत्काल नजदीकी थाना में जमा कराएं और एक जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय दें।

पद्मश्री डॉ. बुधरी ताती का किरंदुल में भव्य स्वागत, चैंबर ऑफ कॉमर्स ने किया सम्मान

किरंदुल। दंतेवाड़ा जिले के छोटे से गांव हीरानार से निकलकर समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली एवं पद्मश्री सम्मान से सम्मानित डॉ. बुधरी ताती के किरंदुल आगमन पर नगरवासियों ने उनका आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया। डॉ. ताती पिछले कई दशकों से असहाय एवं जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उनके समर्पण को देखते हुए भारत सरकार द्वारा उन्हें प्रतिष्ठित पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया है। प्रतिवर्ष रक्षाबंधन के अवसर पर डॉ. बुधरी ताती नगर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को राखी बांधती हैं और सामाजिक कार्यों में सहयोग का आग्रह करती हैं। इसी क्रम में इस वर्ष भी उनका किरंदुल आगमन हुआ। उन्होंने इस वर्ष 50 हजार राखियां बांधने का लक्ष्य रखा है। राखियों से प्राप्त सहयोग से वे अपने आश्रम का संचालन करती हैं, जहां जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था की जाती है। इसी कड़ी में किरंदुल

चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष द्वारा मुख्य बाजार स्थित मामाजी ज्वैलर्स में उन्हें विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। चैंबर अध्यक्ष ओम प्रकाश सोनी, उपाध्यक्ष संजय सोनी, सचिव राज प्रसाद एवं उपाध्यक्ष सुषमा साहू सहित पदाधिकारियों ने डॉ. ताती को पुष्पमाला पहनाकर, शॉल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान उन्हें चांदी की प्रतिमा भी भेंट की गई। समाजसेवा में उनके योगदान की सराहना करते हुए चैंबर की ओर से ?5,000 का चेक सहयोग स्वरूप प्रदान किया गया। चैंबर पदाधिकारियों ने कहा कि डॉ. बुधरी ताती का कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी है और भविष्य में भी उनके सेवा कार्यों में हरसंभव सहयोग किया जाएगा। इस अवसर पर चैंबर के सहसचिव शेखर दत्ता, मोहित धवन, कार्यालय सचिव राजेश वेप्राल, सह कोषाध्यक्ष विकास स्वामी, शेख सगीर के साथ वार्ड क्रमांक 8 के पार्षद राजकुमार सोनी, धर्मपाल मिश्रा, पूर्णिमा अवस्थी उपस्थित थे। ताती ने सम्मान और सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सहयोग से ही वे अपने सेवा कार्यों को आगे बढ़ा पा रही हैं।

खनन प्रभावित वन भूमि के पुनरुद्धार में वैज्ञानिक वानिकी को सर्वोच्च प्राथमिकता : केदार कश्यप

कोरबा। खनिज संसाधनों के उपयोग के बाद वन भूमि को उसकी प्राकृतिक पहचान लौटाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। खनन समाप्त होने के बाद केवल पौधे लगा देना ही वन भूमि का पुनरुद्धार नहीं है, बल्कि उसे वैज्ञानिक तरीके से पुनर्स्थापित कर पुनः एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकसित करना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन के वन व जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने अपने कोरबा प्रवास के दौरान एनटीपीसी के प्रशासनिक भवन में सार्वजनिक एवं निजी उपक्रमों के प्रतिनिधियों तथा वन विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में वन संरक्षण एवं संवर्धन अधिनियम के प्रावधानों और स्वीकृत शर्तों के अनुरूप खनन एवं परियोजनाओं से प्रभावित वन भूमि के पुनरुद्धार के सम्बंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए। इस अवसर पर विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख अरुण कुमार पांडे, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (लैंड मैनेजमेंट)

सुनील मिश्रा, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, हिंडालको, एसईसीएल, एनटीपीसी, बालको, अडानी सहित प्रमुख सार्वजनिक व निजी औद्योगिक एवं खनन उपक्रमों के अधिकारी तथा वन विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का दोहन और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलना चाहिए।

विकास के लिए संसाधनों का उपयोग आवश्यक है, लेकिन इसके साथ प्रकृति को हुई क्षति की भरपाई और वन भूमि को पुनः स्वस्थ स्वरूप प्रदान करना भी उतनी ही महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा जारी तकनीकी एवं व्यावहारिक दिशा-निर्देशों को सभी संबंधित कंपनियों एवं अधिकारियों को इनका शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कश्यप ने कहा कि वन भूमि केवल जमीन का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि जैव विविधता, वन्यजीवों, जल स्रोतों और स्थानीय समुदायों के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है। इसलिए खनन एवं औद्योगिक गतिविधियों के बाद इसके पुनरुद्धार में दीर्घकालिक पर्यावरणीय दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। वन मंत्री ने सभी औद्योगिक एवं खनन कंपनियों को अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी मद का प्रभावी और संवेदनशील उपयोग करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन प्रभावित क्षेत्रों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों एवं स्थानीय समुदायों के आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक उन्नयन के लिए सीएसआर गतिविधियों को प्राथमिकता दी जाए। स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में ठोस और सकारात्मक बदलाव लाने वाले कार्यों को प्रोत्साहित किया जाए, ताकि विकास का लाभ प्रभावित क्षेत्रों के समुदायों तक भी प्रभावी रूप से पहुंचे। बैठक में स्पष्ट किया गया कि वन भूमि के उपयोग के बाद उसका पुनरुद्धार किसी औपचारिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहना चाहिए। रेस्टोरेशन एवं रिक्लेमेशन के प्रत्येक कार्य में वैज्ञानिक वानिकी सिद्धांतों, स्थानीय पारिस्थितिकी और स्थल की प्राकृतिक विशेषताओं को केंद्र में रखा जाए। संबंधित कंपनियों को निर्देशित किया गया कि खनन प्रभावित क्षेत्रों में केवल तेजी से बढ़ने वाली प्रजातियों का एकरूप पौधरोपण करने के बजाय स्थानीय एवं देशज प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाए।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर-पेंड्रा रोड-बिलासपुर सेक्शन में किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाकर 130 मामलों से 79,510 रूपये बतौर जुर्माना वसूले गए

बिलासपुर। टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा एवं बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों की रोकथाम के उद्देश्य से वरि.मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री डी एस चौहान के नेतृत्व में मंडल के बिलासपुर-पेंड्रा रोड-बिलासपुर सेक्शन में 21 अगस्त 2026 को किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में मुख्य टिकट निरीक्षक, टीटीई एवं आरपीएफस्टाफशामिल थे। दौरान सेक्शन से गुजरने वाली 13 गाड़ियो में टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया 7 इस अभियान में कुल 130 मामलों से 79,510 रूपये बतौर जुर्माना वसूले गए । जिसमें बिना टिकट के 114 मामले से 75,845 रुपए, अनियमित टिकट के 04 मामले से 2465 रुपए तथा बिना बुक किए गए लगेज के 12 मामले से 1200 रुपए शामिल है प्रशासन यात्रियों से आग्रह करता है कि वे यात्रा हेतु उचित टिकट एवं रेल परिसर में प्रवेश करने के पहले प्लेटफार्म टिकट अवश्य खरीदें। एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म में जाने के लिये फुटओवर ब्रिज का प्रयोग करें।

छत्तीसगढ़ में शुरू हुआ देश का पहला 21 CuM इलेक्ट्रिक शॉवेल एसईसीएल के गेवरा परियोजना में किया शुभारंभ

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित एसईसीएल की गेवरा मेगा परियोजना में देश के पहले 21 ष्टह्वरू क्षमता वाले इलेक्ट्रो-हाइड्रोलिक फेस शॉवेल का शुभारंभ किया गया है । एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (सीएमडी) श्री हरीश दुहन ने आज इसका लोकार्पण किया। विदित हो कि गेवरा एशिया की सबसे बड़ी खदान है । यह अत्याधुनिक मशीन गेवरा परियोजना में कोयला उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ आधुनिक, सुरक्षित एवं उच्च दक्षता वाले खनन संचालन को नई गति प्रदान करेगी। इस अवसर पर एसईसीएल के निदेशक (तकनीकी, योजना एवं परियोजना) श्री रमेश चंद्र महापात्र भी उपस्थित रहे। 21 ष्टह्वरू क्षमता वाला यह अत्याधुनिक इलेक्ट्रो-हाइड्रोलिक फेस शॉवेल 360 डिग्री कैमरा, ऑपरेटर फ्टीग मॉनिटरिंग सिस्टम, एयर-सस्पेंशन सीट, एडजस्टेबल जॉयस्टिक, हाइड्रोलिक सीढ़ियां, गैस आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम तथा स्नह्वक्र मानक के सुरक्षित केबिन जैसी आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसके साथ ही इसे एसईसीएल के फ्लीट मैनेजमेंट सिस्टम (स्नरू) से जोड़ा गया है, जिससे इसकी कार्यक्षमता की रियल-टाइम निगरानी की जा सकेगी। लगभग 5.31 मिलियन घनमीटर वार्षिक उत्पादन क्षमता वाली यह मशीन उत्पादन, सुरक्षा और परिचालन दक्षता को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी। कार्यक्रम में एजीएम श्री संजय मिश्रा सहित गेवरा परियोजना के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

105 वर्ष की आयु में कोरबा के वयोवृद्ध नागरिक सहदेव पाल का निधन

कोरबा। नगर के प्रतिष्ठित नागरिक सहदेव पाल का शुक्रवार को 105 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो गया। उन्होंने मुख्य मार्ग स्थित गौरीशंकर मंदिर के पीछे अपने निज निवास में अंतिम सांस ली। उनके निधन का समाचार मिलते ही पाल समाज, परिजनों और नगर के शुभचिंतकों में शोक की लहर दौड़ गई है। स्व. सहदेव पाल कोरबा के प्रतिष्ठित व्यापारी स्व. रामदेव पाल (प्रयाग जलपान गृह) के बड़े भाई तथा स्व. राधेश्याम पाल, स्व. बाबूलाल पाल एवं सेवानिवृत्त एसईसीएल कर्मचारी रामविलास पाल के पिता थे। इसके साथ ही वे कोरबा प्रेस क्लब के सदस्य व पत्रकार सत्यनारायण पाल, विजय पाल (पाल ट्रेडर्स), संतोष पाल (प्रयाग होटल), अधिवक्ता अशोक पाल, आजाद पाल (आरडी पान) और कमलेश पाल के दादा थे।

पिता लखीराम की सीख से राजनीति की पाठशाला तक पहुंचे अमर अग्रवाल,बोले-जो नहीं आता,उसे सीखना ही मेरी आदत और जुनून

बिलासपुर। राजनीति की दुनिया में कई लोग पद से पहचाने जाते हैं, लेकिन कुछ की पहचान उनके पीछे खड़े संस्कार और मार्गदर्शकों से बनती है। छत्तीसगढ़ के पूर्व कैबिनेट मंत्री और बिलासपुर के वरिष्ठ विधायक अमर अग्रवाल के राजनीतिक सफर की कहानी में सबसे मजबूत किरदार उनके पिता स्व. लखीराम अग्रवाल का है। रविवार को बिलासपुर प्रेस क्लब के पारंपरिक कार्यक्रम 'हमर पहुना' में पहुंचे अमर अग्रवाल ने अपने बचपन, परिवार, राजनीति में प्रवेश, मंत्री के रूप में काम करने के अनुभव और वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर पत्रकारों से खुलकर संवाद किया। प्रेस क्लब अध्यक्ष अजित मिश्रा, उपाध्यक्ष विजय क्रांति तिवारी, सचिव संदीप करिहार और सह-सचिव हरिकिशन गंगवानी ने हमर पहुना के अतिथि अमर अग्रवाल का साल-श्री भेंट कर स्वागत किया और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। पिता की राजनीति घर में ही बनी पहली पाठशाला- अमर अग्रवाल ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत का श्रेय अपने पिता स्व. लखीराम अग्रवाल को देते हुए कहा कि उनके पिता अविभाजित मध्यप्रदेश में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य रहे। उनका राजनीतिक जीवन आदर्श और सेवा भावना से प्रेरित था। उन्होंने कभी पीए तक नहीं रखा और पिता के कामकाज में साथ देते-देते अमर अग्रवाल का राजनीति से स्वाभाविक जुड़ाव होता गया। उन्होंने बताया कि पिता की वजह से बचपन में ही भाजपा के कई दिग्गज नेताओं का घर आना-जाना देखा। सुंदरलाल पटवा, कैलाश जोशी, कुशाभाऊ ठाकरे और राजमाता सिंधिया जैसे नेताओं को करीब से देखने और सुनने का अवसर मिला। यही माहौल आगे चलकर उनके राजनीतिक संस्कारों की बुनियाद बना।

डॉक्टर बनने का सपना, राजनीति ने बदल दी राह- 22 सितंबर 1963 को खरसिया में जन्मे अमर अग्रवाल की प्रारंभिक शिक्षा खरसिया में हुई। इसके बाद बिलासपुर में कक्षा 9वीं से 11वीं तक बायोलॉजी की पढ़ाई की। उनका सपना डॉक्टर बनने का था। रायपुर के साइंस कॉलेज से पढ़ाई शुरू की, बाद में दुर्ग कॉलेज पहुंचे और फिर बिलासपुर लौटकर सीएमडी कॉलेज से बीकॉम की पढ़ाई पूरी की। खरसिया में छात्र नेता की भूमिका निभाने के बाद पिता की तबीयत खराब रहने लगी। इसी दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें संगठन में सक्रिय होकर काम करने की सलाह दी। पिता के राजनीतिक जीवन को करीब से देखने के कारण राजनीति के प्रति उनकी रुचि पहले ही बढ़ चुकी थी। 1996 में युवा मोर्चा से लेकर मंत्री पद तक का सफर- पारिवारिक व्यवसाय से जुड़े रहने के दौरान जब उन्हें प्रदेश की राजनीति में जिम्मेदारी देने की बात हुई तो उन्होंने शुरुआत में इनकार कर दिया। इसके बाद वर्ष 1996 में उन्हें भारतीय जनता युवा मोर्चा का जिलाध्यक्ष बनाया गया। 1998 में बिलासपुर विधानसभा से पहली बार चुनाव मैदान में उतरे। वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ अलग राज्य बना और 2003 में वे दोबारा बिलासपुर से विधायक निर्वाचित हुए। इसके बाद उन्हें मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। पहली फाइल से सीखा प्रशासन, फिर एक घंटे में 100 फाइलों का निपटारा- अमर अग्रवाल ने मंत्री के शुरुआती दिनों का किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि उद्योग और वित्त विभाग की जिम्मेदारी मिलने के बाद जब पहली फाइल उनके सामने आई तो उन्हें प्रक्रिया की जानकारी नहीं थी। सचिव ने पूरी प्रक्रिया समझाई और फाइल का निपटारा हो गया। लेकिन यहीं से उन्होंने तय किया कि प्रशासनिक कामकाज को सिर्फ अधिकारियों की जानकारी पर नहीं छोड़ा जा सकता।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में वार्षिक शतरंज प्रतियोगिता 2026 का आयोजन किया...

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे खेल संघ द्वारा आज बिलासपुर के रेल ऑडिटोरियम क्लब में वार्षिक शतरंज प्रतियोगिता 2026 (प्रथम वर्ष) का भव्य आयोजन उत्साह एवं खेल भावना के साथ किया गया। प्रतियोगिता में रेलवे परिक्षेत्र स्थित विभिन्न स्कूलों के बच्चों, रेल परिवार के सदस्यों, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों सहित कुल 221 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी शतरंज प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रात: श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, अध्यक्षा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो) ने किया। इस अवसर पर श्री विजय कुमार साहू, अपर महाप्रबंधक, श्री मनीष अग्रवाल, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर एवं अध्यक्ष, दक्षिण पूर्व

मध्य रेलवे खेल संघ सहित रेलवे के अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों के लिए अंडर 07, 7ङ्क9 वर्ष, 9ङ्क11 वर्ष, 11ङ्क13 वर्ष तथा 13ङ्क15 वर्ष आयु वर्ग निर्धारित किए गए थे। इन आयु वर्गों में बालक एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में ओपन श्रेणी में प्रथम स्थान वेदांत जायसवाल, द्वितीय स्थान गीतांश साहू तथा तृतीय स्थान संबोधि सिंह ने प्राप्त किया। ओपन श्रेणी में शीर्ष 10 खिलाड़ियों को स्थान प्रदान किया गया। इसके साथ ही महिला, दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक श्रेणियों में भी खिलाड़ियों ने भाग लिया तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। महिला वर्ग में अनुकृति कुमारी, बिंदा देवी एवं अर्चना गुप्ता ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। दिव्यांग वर्ग में साध्या केशरवानी प्रथम एवं संदीप कुमार द्वितीय स्थान पर रहे।

कल्याण संघ के प्रदेश महामंत्री झारखंड में दे रहे नि:शुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा.....

बिलासपुर। छ.ग. श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के सरगुजा संभाग अध्यक्ष और चिकित्सक डॉ. अजय चक्रधारी ने इस पवित्र सावन मास में मानव सेवा और आस्था की एक अनूठी मिसाल पेश की है। डॉ. चक्रधारी सावन के पूरे एक महीने से देवघर (झारखंड) बाबा वैद्यनाथ धाम जाने वाले लाखों कांवरियों और श्रद्धालुओं के लिए निरंतर नि:शुल्क चिकित्सा सेवा (छत्तीसगढ़ बोल बम शिविर सरगुजा) झारखंड में संचालन कर रहे हैं। कठिन कांवड़ मार्ग पर श्रद्धालुओं का सहारा बने डॉ. चक्रधारी विदित हो कि सुल्तानगंज से देवघर तक की लगभग 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा बेहद कठिन होती है। भीषण गर्मी, उमस और लगातार पैदल चलने के कारण कंकरीले रास्तों पर कई कांवरियों के पैरों

में छाले पड़ जाते हैं, और वे मौसमी बीमारियों व शारीरिक दर्द से ग्रसित हो जाते हैं। ऐसी दुर्गम परिस्थितियों में डॉ. अजय चक्रधारी कांवड़ पथ पर चौबीसों घंटे मुस्तैद रहकर बीमार श्रद्धालुओं का इलाज कर रहे हैं। वे न सिर्फ मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर रहे हैं, बल्कि उन्हें दवाइयां, पट्टियां और प्राथमिक उपचार भी बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध करा रहे हैं।पत्रकारिता और चिकित्सा जगत में हर्ष की लहर एक तरफ जहाँ वे छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के संभाग अध्यक्ष के रूप में पत्रकारों के हितों की लड़ाई मुस्तैदी से लड़ते हैं, वहीं दूसरी तरफ एक डॉक्टर के रूप में सावन के महीने में अपना घर परिवार छोड़कर बाबा धाम में शिव भक्तों की सेवा में लीन हैं। उनके इस निस्वार्थ सेवा कार्य की सराहना छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पत्रकारों, सामाजिक संगठनों और बाबा धाम प्रशासन द्वारा भी की जा रही है। श्रद्धालुओं का कहना है कि सुदूर क्षेत्र में इस प्रकार की नि:शुल्क चिकित्सा सेवा मिलना किसी वरदान से कम नहीं है।

दिवंगत पत्रकार संजय देवांगन के परिजनों से मिले पूर्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल

कोरबा । छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल ने शुक्रवार को प्रेस क्लब कोरबा के दिवंगत सदस्य पत्रकार स्वर्गीय संजय देवांगन के निवास पहुंचकर उनके शोकाकुल परिवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाया और तत्कालिक सहायता के रूप में 25 हजार रुपये की आर्थिक राशि सौंपी। गौरतलब है कि पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने हाल ही में कोरबा प्रेस क्लब के तिलक भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान घोषणा की थी कि प्रेस क्लब के किसी भी सदस्य के आकस्मिक निधन पर उनके परिजनों को संबल देने के लिए 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इसी प्रतिबद्धता के तहत वे आज दिवंगत पत्रकार के दुरपा रोड स्थित निवास पहुंचे और पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। इस दौरान कोरबा प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री नौशाद खान, उपाध्यक्ष श्री राजकुमार शाह, सचिव श्री दिनेश राज और उप सचिव श्री हरीश तिवारी सहित वरिष्ठ पत्रकार एवं नई दुनिया के ब्यूरो प्रमुख देवेंद्र गुप्ता, पत्रिका अखबार के रीजनल मार्केटिंग हेड डॉली सिंह तथा साथी पत्रकार दिनेश श्रीवास्तव मौजूद रहे। उन्होंने परिजनों से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। साथ ही दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

बिलासपुर में रुद्र सेना और अखिल भारतीय हिंदू परिषद की प्रांतीय बैठक संपन्न हुआ.....

बिलासपुर। शहर के होटल दावते में रुद्र सेना एवं अखिल भारतीय हिंदू परिषद की एक महत्वपूर्ण प्रांतीय बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को धरातल पर मजबूत बनाना, समाज कल्याण से जुड़े कार्यों का विस्तार करना तथा नव-नियुक्त पदाधिकारियों को पदभार सौंपकर जिम्मेदारियों का निर्धारण करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता और मार्गदर्शन प्रदेश उपाध्यक्ष उत्कर्ष सिंह गरेवाल ने किया। संगठन के व्यवस्थित विस्तार पर दिया जोर- बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष उत्कर्ष सिंह गरेवाल ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास, सनातन संस्कृति के संरक्षण, गौ-सेवा तथा युवा और महिला शक्ति के सशक्तिकरण के लिए संगठन का व्यवस्थित विस्तार आवश्यक है। इसी सोच के तहत

बैठक में नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई है और ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को योग्यता के अनुसार पद एवं दायित्व सौंपे गए हैं। सामाजिक कार्यों के लिए 10 विशेष विभागों का गठन- संगठन के सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए 10 प्रमुख विभागों का गठन किया गया है। इसमें सेवा कार्य विभाग, गौ सेवा विभाग, युवा विभाग, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय विभाग, मंदिर एवं धार्मिक सेवाएं विभाग, पर्यावरण एवं स्वच्छता विभाग, महिला एवं परिवार विभाग, सामाजिक जागरूकता विभाग, संगठन विस्तार विभाग तथा सोशल मीडिया एवं मीडिया विभाग शामिल हैं। प्रत्येक विभाग को अलग-अलग सामाजिक दायित्व सौंपे गए हैं। वरिष्ठ पदाधिकारियों और महिला मोर्चा की रही सहभागिता- बैठक में संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष उत्कर्ष सिंह गरेवाल, मीडिया प्रभारी कमल, प्रदेश सचिव अभिषेक तिवारी, प्रदेश सलाहकार मनीष कौशिक की उपस्थिति रही। महिला मोर्चा की ओर से महिला प्रदेश अध्यक्ष बबिता ताम्रकार, किरण सिंह, जूही वर्मा, आशा तिवारी और वंदना शर्मा ने सहभागिता की। नव-नियुक्त पदाधिकारियों को दिलाई शपथ- बैठक में अभिषेक वर्मा, आर्यन शुक्ला, सौरभ सिंह गरेवाल।

स्थापना, कमीशनिंग एवं अनुरक्षण कार्यों में आत्मनिर्भरता... तकनीकी दक्षता एवं नवाचार को बढ़ावा देने पर हुआ मंथन

■ सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग द्वारा आत्मनिर्भरता पर जोनल सेमिनार का आयोजन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग द्वारा स्थापना, कमीशनिंग एवं अनुरक्षण कार्यों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 22 अगस्त 2026 को बिलासपुर स्थित महाप्रबंधक कार्यालय भवन के तृतीय तल के सम्मेलन कक्ष में जोनल सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग में स्थापना, कमीशनिंग एवं अनुरक्षण कार्यों में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे थे। इस अवसर पर प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री गोवर्धन प्रसाद खूंटे सहित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी तथा सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग की भूमिका को रेल परिचालन की संरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सिग्नलिंग एवं अन्य संरक्षा से जुड़े उपकरणों का प्रभावी संचालन, नियमित अनुरक्षण तथा समयबद्ध खराबी निवारण संरक्षित एवं निर्बाध रेल परिचालन के लिए आवश्यक है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इन तकनीकी प्रणालियों के रखरखाव में आत्मनिर्भरता, तकनीकी दक्षता एवं नवाचार को निरंतर बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस

प्रकार के सेमिनारों के माध्यम से व्यावहारिक अनुभवों एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान होता है, जिससे विभाग की तकनीकी क्षमता एवं कार्यकुशलता को और मजबूत किया जा सकता है। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग में तकनीकी क्षमता बढ़ाने, इन-हाउस अनुरक्षण को मजबूत करने, बाहरी निर्भरता को कम करने तथा संरक्षा, विश्वसनीयता, नवाचार एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में विभिन्न मंडलों में किए जा रहे कार्यों के वास्तविक अनुभवों एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा किया गया। सेमिनार में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, कवच, मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर, स्वचालित सिग्नल प्रणाली, आईपीआईएस तथा डाटा लॉगर सहित विभिन्न महत्वपूर्ण सिग्नल एवं दूरसंचार प्रणालियों से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा तकनीकी प्रस्तुतियां दी गईं। इनमें इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की डिजाइन एवं ड्राइंग, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग एवं कमीशनिंग, कवच की इंस्टॉलेशन एवं कमीशनिंग तथा विभिन्न मेक के मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर से संबंधित कार्य शामिल रहे। इसके साथ ही स्वचालित सिग्नल प्रणाली में कार्य-अवधि कम करने, आईपीआईएस के लिए स्थल-विशिष्ट सॉफ्टवेयर के विकास एवं अपलोडिंग, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के इन-हाउस अनुरक्षण एवं आवश्यक संशोधन, डाटा लॉगर में इन-हाउस लॉजिक जनरेशन, वायरिंग एवं डाटा इंटीग्रेशन तथा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में इन-हाउस फॉल्ट रेक्टिफिकेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी तकनीकी प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में तकनीकी प्रस्तुतियों के साथ विशेषज्ञों के साथ संवादात्मक चर्चा तथा विभिन्न मंडलों में अपनाई जा रही।

सेजस कन्या रतनपुर से तीन छात्राओं का राष्ट्रीय स्तर कुश्ती में चयनित.....

बिलासपुर। 26 वीं शालेय राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता धमतरी में आयोजित सेजस कन्या रतनपुर से कुमारी सुभद्रा यादव 11 वी से अस्मिता गायकवाड कक्षा 10 वीं से काव्या यादव कक्षा 9वी से तीनों छात्राओं ने अपने-अपने वजन वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त की हैद्य ये तीनों छात्राएं राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता में चयन हुए है द्य इसी तरह मान्यता कश्यप कक्षा 8 वी से द्वितीय स्थान एवं शुभांगी प्रजापति 11वीं कला संकाय की छात्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त की है है द्य छात्राओं का राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर चयन होने पर प्राचार्य महोदय एवं समस्त स्टाफ खिलाड़ी छात्राओं की उज्जवल भविष्य की कामना किए हैं

श्रावण मास के अंतिम सोमवार को करें शिवलिंग पर जलाभिषेक

श्रावण मास का चतुर्थ सोमवार का व्रत रखा जाएगा। श्रावण सोमवार के दिन सभी भक्त शिवलिंग पर जलाभिषेक या अन्य तरह के अभिषेक करके पूजा करते हैं। अंतिम सोमवार को इस बार सर्वार्थ सिद्धि, आयुष्यमान, सौभाग्य और रवि योग का संयोग बन रहे है। इस बार सावन के आखिरी सोमवार को लेकर भक्तों में खास उत्साह है। अगर आपने सावन के पहले सोमवार को पूजा नहीं की या किसी वजह से व्रत नहीं रख पाए तो आखिरी सोमवार को भी श्रद्धा से शिवजी की पूजा कर सकते हैं। इस दिन शिवलिंग पर सिर्फ जल चढ़ाने के बजाय अपनी मनोकामना के अनुसार कुछ चीजें अर्पित करने की भी मान्यता है। हालांकि पूजा में सबसे जरूरी श्रद्धा मानी जाती है। किसी चीज को चढ़ाना संभव न हो तो सिर्फ जल और बेलपत्र से भी पूजा की जा सकती है।

नौकरी और कारोबार के लिए चढ़ाएं जल और बेलपत्र

नौकरी में परेशानी चल रही है या कारोबार में काम उम्मीद के मुताबिक नहीं चल रहा है तो सोमवार को शिव मंदिर जाकर शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। इसके बाद बेलपत्र अर्पित करें। भगवान शिव का ध्यान करते हुए 'ॐ नमः शिवाय' का जाप करें। पूजा के दौरान अपनी परेशानी दूर होने और काम में तरक्की की प्रार्थना कर सकते हैं। साथ ही काम से जुड़ा कोई बड़ा फैसला जल्दबाजी में न लें।

धन से जुड़ी परेशानी में करें ये काम

पैसों की तंगी चल रही है तो सावन के आखिरी सोमवार पर भगवान शिव की पूजा के बाद जरूरतमंद व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुसार भोजन या जरूरी सामान दान कर सकते हैं। शिवलिंग पर जल चढ़ाकर कुछ देर शांत मन से बैठना भी पूजा का हिस्सा बनाया जा सकता है। दान करते समय दिखावे से बचना बेहतर है। जितना संभव हो, उतना ही करें।

विवाह में आ रही रुकावट के लिए शिव-पार्वती की पूजा

जिन लोगों के विवाह में बार-बार देरी हो रही है, वे सोमवार को भगवान शिव के साथ माता पार्वती की पूजा कर सकते हैं। शिवलिंग पर जल और बेलपत्र चढ़ाएं। इसके बाद माता पार्वती को फूल अर्पित कर विवाह में आ रही परेशानी दूर होने की प्रार्थना करें। मान्यता है कि शिव-पार्वती की पूजा वैवाहिक सुख के लिए शुभ मानी जाती है।जितना संभव हो, उतना ही करें।

परिवार में सुख-शांति के लिए करें अभिषेक

घर में बार-बार तनाव रहता है तो सोमवार को शिवजी की पूजा करते समय शांत मन से परिवार के लिए प्रार्थना करें। मंदिर में जलाभिषेक कर सकते हैं। इसके बाद परिवार के सदस्यों के बीच बेवजह की बातों को बढ़ाने से बचने का संकल्प लें। शिव पूजा के साथ व्यवहार में बदलाव भी जरूरी है। सिर्फ पूजा करने से ही हर समस्या दूर हो जाएगी, ऐसा मानना ठीक नहीं है।

साढ़ेसाती से परेशान लोग भी कर सकते हैं शिव पूजा

ज्योतिषीय मान्यता में भगवान शिव की पूजा को शनि के कठिन प्रभाव के समय किए जाने वाले उपायों में रखा जाता है। इसलिए कुंभ, मीन और मेष राशि वाले भी आखिरी सावन सोमवार पर शिवलिंग पर जल चढ़ाकर 'ॐ नमः शिवाय' का जाप कर सकते हैं।

दीपक की बची हुई बाती का क्या करना चाहिए?

सनातन धर्म में सुबह-शाम घर के मंदिर में दीपक जलाना अनिवार्य माना गया है। कहते हैं कि दीपक जलाने से घर में सकारात्मकता आती है और दीपक को प्रकाश व ईश्वर की उपस्थिति का प्रतीक माना जाता है। लेकिन अक्सर लोग दीपक बुझने या पूरा जलने के बाद बची हुई बाती को लेकर असमंजस में रहते हैं। कई लोग इसे साधारण कूड़ा समझकर डस्टबिन में फेंक देते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं, तो रुक जाइए। शास्त्रों में पूजा से जुड़ी हर छोटी-से-छोटी वस्तु के विसर्जन के खास नियम बताए गए हैं। बची हुई बाती को सीधे कचरे में फेंकना न सिर्फ धार्मिक रूप से अनुचित माना जाता है, बल्कि इससे घर में नकारात्मकता भी आ सकती है। आइए जानते हैं धर्म शास्त्रों के अनुसार बची हुई बाती का क्या करना चाहिए।

बची हुई बाती को सीधे कचरे में क्यों न फेंकें?

धर्म शास्त्रों के अनुसार, जब हम किसी बाती को घी या तेल में भिगोकर मंत्रों और शुद्ध भाव के साथ प्रज्वलित करते हैं, तो उसमें सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। वह बाती भगवान के सामने समर्पित हो चुकी होती है। ऐसी पवित्र वस्तु को पैरों में आने वाली जगह या गंदगी में फेंकने से देव दोष और पितृ दोष लग सकता है। इससे घर की बरकत रुक सकती है और मानसिक तनाव बढ़ सकता है।

शास्त्रों के अनुसार क्या हैं नियम?

अगर आपके पास रोज दीपक जलाने के बाद बाती बच जाती है, तो उसे फेंकने के बजाय नीचे दिए गए तरीकों को अपनाएं।

तुलसी या पौधों के गमले की मिट्टी में दबाएं:

बची हुई बाती को एकत्र करें और घर के किसी पवित्र पौधे जैसे कि तुलसी के गमले की मिट्टी में दबा दें। समय के साथ यह मिट्टी में ही विलीन हो जाएगी। ध्यान रहे कि उस स्थान पर किसी का पैर न पड़े।

पवित्र नदी या जलाशय में प्रवाहित करें:

यदि आपके घर के पास कोई पवित्र नदी, तालाब या जलाशय है, तो हफ्ते या महीने भर की एकत्रित बातियों को वहां प्रवाहित कर दें।

अग्नि देव को समर्पित करें:

यदि आप नियमित रूप से घर में छोटा हवन या कपूर आरती करते हैं, तो इन बची हुई बातियों को उस हवन की अग्नि में डाल दें। चूंकि यह पहले से ही पूजा का हिस्सा रही हैं, इसलिए अग्नि में इनका भस्म होना सबसे शुद्ध माना जाता है।

अखंड ज्योति की बाती का नियम

रोजाना पूजा में बची बातियों के अलावा अखंड ज्योति की बाती के भी कुछ नियम होते हैं। यदि आपने नवरात्रि, दिवाली या किसी विशेष अनुष्ठान में अखंड दीपक जलाया था, तो उसकी बची हुई बाती को बहुत संभालकर रखना चाहिए। इस बाती को कभी भी घर में इधर-उधर न छेड़ें। अनुष्ठान पूरा होने के बाद इस बाती को किसी बहती हुई पवित्र नदी में विसर्जित करना ही सबसे उत्तम माना गया है।

भीगने के बाद करें त्वचा की सही देखभाल

बारिश में भीगना लगभग सभी को अच्छा लगता है, लेकिन लंबे समय तक गीले कपड़ों में रहने से त्वचा से जुड़ी कई समस्याएं हो सकती हैं। बरसात के मौसम में नमी बढ़ने की वजह से खुजली, रैशेज और फंगल इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है। अगर आप भी बारिश का आनंद लेती हैं, तो भीगने के बाद त्वचा की सही देखभाल करना बहुत जरूरी है। कुछ आसान आदतें अपनाकर आप इन परेशानियों से बच सकती हैं। अगर त्वचा पर खुजली, लालपन या छोटे-छोटे दाने हो जाएं, तो उस जगह को बार-बार खुजलाने से बचें। ऐसा करने से संक्रमण बढ़ सकता है।

भीगने के बाद तुरंत नहाएं

अगर आप बारिश में भीग गई हैं, तो घर पहुंचते ही गुनगुने पानी से नहा लें। इससे त्वचा पर जमा गंदगी और बैक्टीरिया साफ हो जाते हैं। नहाते समय माइल्ड साबुन या हल्के बॉडी वॉश का इस्तेमाल करें, ताकि त्वचा की नमी भी बनी रहे और संक्रमण का खतरा कम हो।

त्वचा को अच्छी तरह सुखाएं

नहाने के बाद शरीर को तौलिए से अच्छी तरह पोंछ लें। खासकर गर्दन, बगल, उंगलियों के बीच और शरीर की सिलवटों वाली जगहों को सूखा रखना जरूरी है। गीली त्वचा पर कपड़े पहनने से फंगल इंफेक्शन और खुजली की संभावना बढ़ सकती है।

सूखे और सूती कपड़े पहनें

बारिश के मौसम में हमेशा पूरी तरह सूखे और साफ कपड़े पहनें। कोशिश करें कि कॉटन यानी सूती कपड़ों का इस्तेमाल करें। ये पसीना और नमी जल्दी सोख लेते हैं, जिससे त्वचा लंबे समय तक सूखी रहती है। अगर कपड़ों में सीलन हो, तो उन्हें पहनने से बचें।

बारिश में भीगे जूते-मोजे तुरंत बदलें

अगर बारिश में आपके जूते और मोजे भीग गए हैं, तो घर पहुंचते ही उन्हें बदल दें। लंबे समय तक गीले मोजे पहनने से पैरों में फंगल इंफेक्शन, खुजली और बदबू की समस्या हो सकती है। पैरों को अच्छी तरह धोकर सुखाएं और फिर साफ व सूखे मोजे पहनें।

ढीले कपड़े पहनें

बरसात के मौसम में बहुत टाइट कपड़े पहनने से पसीना और नमी शरीर पर ज्यादा देर तक बनी रहती है। इससे त्वचा पर रैशेज और खुजली होने का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए इस मौसम में ढीले, हल्के और आरामदायक कपड़े पहनें, ताकि त्वचा को हवा मिलती रहे और वह सूखी रहे।

एंटीसेप्टिक लिक्विड मिलाकर नहाएं

अगर आप बारिश में भीग गए हैं, तो नहाने के पानी में डॉक्टर की सलाह के अनुसार थोड़ी मात्रा में एंटीसेप्टिक लिक्विड मिलाकर स्नान कर सकते हैं। इससे त्वचा पर मौजूद गंदगी और कुछ हद तक संक्रमण फैलाने वाले कीटाणुओं को साफ करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, इसका रोजाना या जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल न करें, क्योंकि इससे त्वचा रूखी भी हो सकती है। यदि त्वचा पर घाव, तेज जलन या पहले से कोई स्किन प्रॉब्लम है, तो इसका इस्तेमाल करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

पढ़ाई में फोकस बढ़ाने के लिए आजमाएं ये असरदार तरीके...

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है कि आप पूरी तैयारी और जोश के साथ हाथ में किताब लेकर बैठते हैं, लेकिन कुछ ही मिनटों में दिमाग 'नो-सिग्नल' वाले ज़ोन में चला जाता है? कभी सोशल मीडिया के नोटिफिकेशन्स ध्यान खींच लेते हैं, तो कभी बैठे-बैठे ही हम ख्यालों की दुनिया की सैर करने लगते हैं। घंटों तक किताब के सामने बैठे रहने का मतलब यह नहीं है कि आपकी पढ़ाई भी उतनी ही सॉलिड हो रही है। असल में, ध्यान भटकने की यह समस्या बहुत कॉमन है, लेकिन इसका समाधान आपकी इच्छाशक्ति में नहीं, बल्कि सही तकनीकों में छिपा है।

25-30 मिनट के स्टडी सेशन बनाएं

जब मल्टीटास्किंग, ध्यान भटकने और एक समय में एक काम करने के फायदों पर शोध किया और पाया कि दिमाग लगातार कई घंटों तक एक जैसी गतिविधि पर पूरी क्षमता से काम नहीं कर पाता। इसलिए पढ़ाई को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। आप 25 या 30 मिनट तक पूरी एकाग्रता से पढ़ें और फिर 5 मिनट का छोटा ब्रेक लें। इस दौरान थोड़ा टहलें, पानी पिएं या आंखों को आराम दें। इससे दिमाग तरोताजा रहता है और दोबारा पढ़ाई पर ध्यान लगाना आसान हो जाता है।

मोबाइल को पढ़ाई की जगह से दूर रखें

हर नोटिफिकेशन दिमाग का ध्यान भटकाती है। रिसर्च बताती हैं कि केवल मोबाइल का सामने रखा होना भी एकाग्रता को प्रभावित कर सकता है। इसलिए पढ़ाई शुरू करने से पहले फोन को साइलेंट मोड पर रखें या दूसरे कमरे में रख दें। अगर ऑनलाइन पढ़ाई कर रहे हैं, तो गैरजरूरी ऐप्स और नोटिफिकेशन बंद कर दें।

एक समय में केवल एक ही काम करें

कई छात्र पढ़ाई के साथ गाने सुनते हैं, चैट करते हैं या बार-बार अलग-अलग विषय बदलते रहते हैं। इसे मल्टीटास्किंग कहा जाता है, लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि इससे काम की गुणवत्ता और याद रखने की क्षमता दोनों कम हो सकती हैं। इसलिए एक समय में सिर्फ एक विषय पर ध्यान दें और उसी को पूरा करने की कोशिश करें।

पर्याप्त नींद और सही खानपान लें

अगर नींद पूरी नहीं होगी तो दिमाग नई जानकारी को सही तरीके से याद नहीं रख पाएगा। रोजाना 7 से 9 घंटे की अच्छी नींद लेने की कोशिश करें। इसके साथ ही फल, हरी सब्जियां, मेवे, बीज और प्रोटीन से भरपूर भोजन लें। पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है, क्योंकि शरीर में पानी की कमी होने पर भी ध्यान लगाने में परेशानी हो सकती है।

हर व्यक्ति का पढ़ने का तरीका अलग होता है। इसलिए जरूरी नहीं कि हर तकनीक सभी पर समान रूप से काम करे। आप इन तरीकों को कुछ दिनों तक अपनाकर देखें और जो तरीका आपके लिए सबसे बेहतर साबित हो, उसे अपनी स्टडी रूटीन का हिस्सा बना लें। नियमित अभ्यास, अनुशासन और सही आदतों के साथ पढ़ाई करना न सिर्फ आसान होगा, बल्कि आपकी याददाश्त और प्रदर्शन में भी सुधार देखने को मिलेगा।

आज का राशिफल

मेष राशि - धार्मिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज भावनात्मक तौर पर मजबूत नजर आएंगे। कार्यक्षेत्र में अधिकारी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। युवाओं के लिए विवाह से जुड़ा कोई अच्छा प्रस्ताव आ सकता है। पैसों के लेन-देन सोच-समझकर करें। व्यापार में नई योजना पर काम शुरू करने के लिए समय अच्छा है, लेकिन जल्दबाजी से बचें। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर निर्णय लेना लाभकारी रहेगा।

वृषभ राशि - आज काम का दबाव बढ़ सकता है। किसी अनुभवी या वरिष्ठ व्यक्ति की सलाह आपके लिए काफी उपयोगी रहेगी। जीवनसाथी के साथ किसी मुद्दे पर बहस हो सकती है। वहीं आपकी मेहनत के अनुसार सम्मान न मिलने से मन थोड़ा परेशान रह सकता है। सेहत का ध्यान रखें।व्यापार में पुराने संपर्कों से लाभ मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए खर्चों पर नियंत्रण रखें।

मिथुन राशि - अधिकारियों से प्रशंसा मिल सकती है। घर में मेहमानों के आने से माहौल खुशनुमा रहेगा। दांपत्य जीवन में प्रेम और मधुरता बनी रहेगी। कारोबार से जुड़ी कोई बड़ी अड़चन दूर हो सकती है। करीबी व्यक्ति या रिश्ते को लेकर मन में थोड़ी असहजता रह सकती है। व्यापार में नए ग्राहकों से संपर्क बढ़ाने का अवसर मिलेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में नई दिशा मिल सकती है। आर्थिक मामलों में कोई बड़ा फैसला लेने से पहले सलाह लेना बेहतर रहेगा।

कर्क राशि - जो लोग नौकरी की तलाश में हैं, उनके लिए दिन शुभ है। काम को लेकर लापरवाही बिल्कुल न करें। सहयोगियों की मदद से आर्थिक लाभ मिलने के योग हैं। इंटरनेट और ऑनलाइन गतिविधियों में आपका काफी समय बीत सकता है। खान-पान का ध्यान रखें।

सिंह राशि - परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। बीते अनुभवों का फायदा आपको अपने काम में मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अच्छा है और पढ़ाई में प्रदर्शन बेहतर रहेगा। प्रेम विवाह को लेकर जो रुकावटें चल रही थीं, वे दूर हो सकती हैं। दिन सकारात्मक रहने वाला है।

कन्या राशि - कार्यक्षेत्र में काम की गति धीमी रहेगी। महत्वपूर्ण योजनाओं को साझा करने से बचें। विरोधी आपके खिलाफ चाल चल सकता है। दूसरों के निजी मामलों में हस्तक्षेप करने से बचें। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा, लेकिन अपनी सेहत को लेकर मन में चिंता बनी रह सकती है। व्यापार में कार्यप्रणाली में बदलाव करने से फायदा हो सकता है। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने का अच्छा समय है।

तुला राशि- पुरानी बीमारी से राहत मिलेगी। लेखन से जुड़े लोगों को सम्मान मिलेगा। जीवनसाथी के साथ घूमने का कार्यक्रम बन सकता है। आपके प्रयास सफल होंगे। किसी महत्वपूर्ण मामले में साहसिक फैसला लेने का मौका मिलेगा। बच्चों के साथ समय बिताकर खुशी होगी।

वृश्चिक राशि - कारोबार में पुराने अनुभव फायदेमंद साबित होंगे। किसी बड़े बिजनेस के समझौते पर मुहर लग सकती है। धन आने के अच्छे संकेत हैं। दोस्तों की सलाह पर अमल करने से फायदा हो सकता है। काम में सफलता मिलने से मन संतुष्ट रहेगा। आर्थिक स्थिति भी बेहतर होगी। व्यापार में नई रणनीति से लाभ मिलने की संभावना है। धन संबंधी निर्णय लेते समय अनुभवी व्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी।

धनु राशि- आज आपका व्यक्तित्व लोगों को आकर्षित करेगा। प्रेम संबंधों में नजदीकियां बढ़ेंगी और रिश्ते मजबूत होंगे। सरकारी नौकरी करने वाले लोगों को सम्मान मिल सकता है। करियर के मामले में आपको कोई नया रास्ता या बेहतर अवसर मिलने के संकेत हैं।

मकर राशि - बेवजह की चिंता और मानसिक तनाव से खुद को दूर रखें। गले में खराश या संक्रमण हो सकता है। बच्चों की पढ़ाई और उनकी जरूरतों पर ध्यान देना जरूरी होगा। योग और प्राणायाम करने से फायदा मिल सकता है। जीवनसाथी किसी बात पर आपसे नाराज रहेगा।

कुंभ राशि- नया काम शुरू करने से पहले कागजी कार्रवाई अच्छी तरह जांच लें। बेरोजगारों को अच्छी खबर मिल सकती है। बच्चों की उपलब्धियों से आपको गर्व महसूस होगा। शेयर मार्केट में पैसा लगाने से लाभ होगा। पुरानी बातों को भूलकर आगे बढ़ने की कोशिश करें। नौकरी में आपके सुझावों को महत्व मिलेगा। व्यापार में आधुनिक तरीके अपनाने से कामकाज बेहतर हो सकता है। मित्रों के साथ किसी नई योजना पर काम शुरू करने का अवसर मिलेगा।

मीन राशि- आज आप भावनात्मक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। युवाओं के लिए विवाह से जुड़ा प्रस्ताव आ सकता है। दोस्तों के साथ पैसों के लेन-देन को लेकर मतभेद होने की संभावना है। धार्मिक कार्यों और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें।नौकरी में सहयोगी रवैया रखने से सहकर्मियों का समर्थन मिलेगा। व्यापार में ग्राहकों के साथ भरोसे का रिश्ता मजबूत होगा। परिवार में अपनापन बना रहेगा।

फैशन में सही रंगों का चुनाव बेहद जरूरी

आज कल कल हर कोई चाहता है कि उनका लुक स्टाइलिश होने के साथ-साथ बॉडी शेप के हिसाब से भी परफेक्ट लगे। ऐसे में सिर्फ महंगे कपड़े या ट्रेंड फॉलो करना ही काफी नहीं होता, फैशन की समझ होना भी उतना ही जरूरी है। इन्हीं ट्रिक्स में से एक कलर ब्लॉकिंग है। कलर ब्लॉकिंग न केवल आपको फैशनेबल बनाता है बल्कि आपके फिगर में भी नेचुरल बैलेंस लाने में मदद करता है। सही रंगों का चुनाव और उनकी जगह को समझना आपकी पर्सनालिटी को नया डाइमेंशन दे सकता है। ऐसे में चलिए आज हम आपको बताएंगे कि कैसे कलर ब्लॉकिंग से आप अपने आउटफिट्स में परफेक्ट संतुलन बना सकते हैं।

कलर ब्लॉकिंग सिर्फ ट्रेंड नहीं स्मार्ट स्टाइलिश टूल भी

फैशन में कलर ब्लॉकिंग अब सिर्फ एक ट्रेंडी टेक्निक नहीं रही बल्कि यह आपके लुक को संतुलित करने का एक शानदार तरीका बन चुकी है। जब सही रंगों का सही जगह पर इस्तेमाल होता है तो यह आपकी बॉडी शेप को भी प्रोफेशनल दिखाने में मदद करता है। खास तौर पर उन लोगों के लिए जो ऊपर या नीचे से भारी नजर आते हैं। ऐसे में यह स्टाइलिंग तरीका काफी असरदार साबित हो सकता है।

बॉडी शेप के हिसाब से चुने कलर टोन

अगर आपकी ऊपर की बॉडी हैवी है तो स्टाइल एक्सपर्ट सलाह देते हैं की टॉप के लिए डार्क शेड जैसे नेवी, ब्लैक या डीप ग्रीन सेलेक्ट करें। वही बॉटम में हल्के या ब्राइट कलर जैसे व्हाइट, पाउडर, ब्लू या पीला पहन सकते हैं। इससे नजर ऊपर से हटकर नीचे जाएगी और एक संतुलन प्रभाव बनेगा। इसके उलट अगर आपकी लोअर बॉडी ज्यादा हैवी है तो नीचे डार्क शेड्स और ऊपर लाइट कलर्स का इस्तेमाल करें।

कलर व्हील की समझ है जरूरी

कलर ब्लॉकिंग को अच्छे से अपनाने के लिए रंगों की थ्योरी जानना बहुत बेहद जरूरी है। इसके लिए कुछ स्टाइलिस्ट बताते हैं की कलर व्हील को समझे बिना आप सही कांबिनेशन नहीं बना सकते हैं। जैसे कंप्लीमेंट्री कलर ऑरेंज, ब्लू या पीला और पर्पल एक बोल्ड और हाई कंट्रास्ट लुक देते हैं। वहीं एनालॉग कलर्स जैसे रेड और पिंक जो कलर व्हील पर एक दूसरे के पास होते हैं। सॉफ्ट और फॉलोइंग इफेक्ट देते हैं।

हर रंग कहता है एक कहानी

आप किसी तरह का इंपैक्ट डालना चाहते हैं जैसे सिंपल, बोर्ड या एलिगेंट दिखना चाहते हैं तो यह तय करता है कि आप कौन से रंगों को किस जगह प्लेस करते हैं। कलर ब्लॉकिंग न सिर्फ आपकी पर्सनालिटी को रिफ्लेक्ट करता है बल्कि फैशन में आपकी समझ और आत्मविश्वास भी दर्शाता है।

मानसून में सर्दी-जुकाम से बचने के उपाय

रोग प्रतिरोधक क्षमता : हल्दी में शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं। काली मिर्च के साथ मिलकर यह इम्यूनिटी को तेजी से बूस्ट करता है, जिससे वायरल बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

सर्दी, जुकाम और कफ से तुरंत राहत : काली मिर्च बंद नाक को खोलने और जमा हुए कफ को पिघलाकर बाहर निकालने में मदद करती है, जबकि हल्दी छाती और श्वसन तंत्र के संक्रमण को कम करती है।

शरीर के दर्द और सूजन से राहत : मौसम बदलने से अक्सर जोड़ों में दर्द या शरीर में भारीपन महसूस होता है। हल्दी और काली मिर्च का यह मिश्रण नेचुरल पेन-किलर की तरह काम करता है और शरीर की अंदरूनी सूजन को कम करता है।

गले की खराश और दर्द में आराम : मानसून में अक्सर गला खराब या टॉन्सिल में सूजन हो जाती है। इस काढ़े के एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण गले के दर्द और सूजन को शांत करने में बहुत असरदार हैं।

पाचन तंत्र के लिए : बारिश के मौसम में पाचन अग्नि धीमी हो जाती है। काली मिर्च पाचक एंजाइम्स को एक्टिव करती है और हल्दी पेट के इंफेक्शन से बचाती है, जिससे गैस, ब्लोटिंग और अपच की समस्या दूर रहती है।

तीज पर पारंपरिक नृत्य और संगीत

'अग्रवाल समाज मीरा-भाईंदर' व अग्रवाल सांस्कृतिक सम्मेलन द्वारा ब्लूमून क्लब, ओल्ड गोल्डन नेस्ट, मीरा-भाईंदर रोड (पूर्व) में श्री नंदू पोद्दार व श्री पुरुषोत्तम कामठिया के मार्गदर्शन में आयोजित भव्य तीज महोत्सव का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर 'मारवाड़ी सम्मेलन' के ट्रस्टी व सुप्रसिद्ध समाज सेवी श्री कन्हैयालाल घ. सराफ ने किया। मुख्य अतिथि श्रीमती शारदा रा. बूबना (योगाचार्य) तथा, अतिथि विशेषथी श्रीमती अल्का मनीष अग्रवाल। महोत्सव मे सावन की थीम पर अग्रवाल महिलाओं के लिए मेहंदी व लोकनृत्य प्रतियोगिताओं के साथ मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। जादू के खेल, नृत्य संगीत के मनोरंजन कार्यक्रम तथा चटपटी चाट एवं राजस्थानी व्यंजनों के साथ सिंधारा किया गया। संस्था गत 8 वर्षों से निरंतर प्रतिवर्ष यह कार्यक्रम कर रही हैं। आयोजन को सफल बनाने में श्री संदीप चिरानिया, श्री नरेश अग्रवाल, श्री अनिल गोयल, श्रीमती संतोष अग्रवाल व श्री नवल सेकसरिया की भूमिका सराहनीय रही।

दुर्ग में नवीन न्यायालय भवन का भूमिपूजन, डिजिटल न्यायिक सेवाओं का भी शुभारंभ

मुख्य न्यायाधिपति रमेश सिन्हा ने रखी आधारशिला, 'संधि सेतु' पुस्तक का किया विमोचन

दुर्ग। जिला दुर्ग की न्यायिक व्यवस्था के लिए शनिवार का दिन महत्वपूर्ण रहा। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा ने नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन के निर्माण के लिए भूमिपूजन एवं फाउंडेशन स्टोन लेइंग सेरेमनी की। इस अवसर पर न्यायिक अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण के साथ डिजिटल न्यायिक सेवाओं और सामुदायिक मध्यस्थता से जुड़ी विभिन्न पहलों का भी शुभारंभ किया गया।
कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधिपति के साथ न्यायाधिपति श्री पी.पी. साहू, श्री नरेश कुमार चंद्रवंशी, श्री रवीन्द्र कुमार अग्रवाल, श्री विभु दत्त गुरु एवं श्री अमितेंद्र किशोर प्रसाद की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, दुर्ग श्री के. विनोद कुजूर के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने नवीन न्यायालय भवन की आवश्यकता और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप आधुनिक न्यायिक परिसर के विकास पर प्रकाश डाला। इसके बाद मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा ने विधिवत भूमिपूजन कर नवीन भवन की आधारशिला रखी। प्रस्तावित भवन से न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों और न्यायार्थियों को बेहतर एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होने की उम्मीद है।

'संधि सेतु' पुस्तक का विमोचन- कार्यक्रम के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा सामुदायिक मध्यस्थता के विषय पर तैयार पुस्तक 'संधि सेतु' का मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा ने विमोचन किया। पुस्तक का उद्देश्य संवाद, सहमति और मध्यस्थता के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर विवादों के समाधान की अवधारणा को बढ़ावा देना है। इसके माध्यम से विवाद-मुक्त एवं सौहार्दपूर्ण समाज की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को भी दस्तावेजीकृत किया गया है।

डिजिटल न्याय को मिला नया आयाम- कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की सूचना प्रौद्योगिकी टीम द्वारा विकसित विभिन्न डिजिटल न्यायिक पहलों का शुभारंभ एवं वीडियो प्रस्तुतीकरण किया गया। इनमें कैशलेस फाइन पेमेंट सुविधा, स्नक्र मोबाइल एप्लीकेशन (ठुस्त्रह्लश्वद्धस्त्र) और कोर्ट फीस टिकट जनरेशन सिस्टम प्रमुख रहे।

इन पहलों का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाना तथा नागरिकों एवं न्यायिक हितधारकों को न्यायालयीन सेवाएं अधिक आसानी से उपलब्ध कराना है।

न्याय को सरल और जनसुलभ बनाने पर जोर- मुख्य न्यायाधिपति श्री रमेश सिन्हा ने अपने उद्बोधन में आधुनिक न्यायिक अधोसंरचना, तकनीकी नवाचार और जन-केंद्रित न्याय व्यवस्था के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था की सफलता तभी है, जब न्याय अधिक सुलभ, सरल, पारदर्शी और आमजन के निकट हो। उन्होंने डिजिटल न्यायिक सेवाओं और सामुदायिक मध्यस्थता जैसी पहलों की सराहना की। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारी, जिला न्यायपालिका के अधिकारी-कर्मचारी, अधिवक्ता, विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, पैरालीगल वॉलंटियर्स, सामाजिक प्रतिनिधि तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अंत में प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय, दुर्ग श्रीमती सुमन एक्का ने आभार व्यक्त किया। जिला अधिवक्ता संघ, दुर्ग ने भी मुख्य न्यायाधिपति का आत्मीय एवं गरिमापूर्ण स्वागत किया। दुर्ग से चयनित स्टेट बार काउंसिल के सदस्यों ने भी मुख्य न्यायाधिपति का अभिनंदन किया। नवीन न्यायालय भवन का भूमिपूजन, 'संधि सेतु' पुस्तक का विमोचन और डिजिटल न्यायिक पहलों का शुभारंभ दुर्ग की न्याय व्यवस्था को आधुनिक, सुलभ, तकनीक-सक्षम और जन-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन की कार्रवाई, दूषित दशा मे रखे 92 किलो चमचम कराया गया नष्ट

बेमेतरा। जिले मे 7 दिवसीय सघन खाद्य सुरक्षा प्रवर्तन एवं जन-जागरूकता अभियान बने खाबो-बने रहिबो 2.0 संचालित किया जा रहा है। इसी कड़ी मे निरीक्षण के दौरान एक होटल मे अस्वच्छ और दूषित दशाओं में चमचम मिठाई तैयार किया जा रहा था,मौके पर मौजूद लगभग 92 किलोग्राम चमचम मिठाई को तत्काल ज़ब्त कर नष्ट कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरु नानक वार्ड, भाटापारा में नीरज कुमार मूल निवासी रोशंगपुर, जिला औरैया उत्तर प्रदेश द्वारा खुले में, बेहद अमअस्वच्छ माहौल में जहाँ मक्खियों भिनभिना रही थीं चमचम मिठाई का निर्माण किया जा रहा था। जब टीम ने संचालक से खाद्य लाइसेंस या पंजीयन संबंधी दस्तावेज मांगे, तो वह कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत करने में पूरी तरह असमर्थ रहा। अस्वच्छ और दूषित दशाओं में मिठाई तैयार किए जाने के कारण खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मौके पर ही चमचम के नमूने लिए गए, जिन्हें जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। इसके साथ ही जनमस्वास्थ्य को होने वाले संभावित खतरे को देखते हुए मौके पर मौजूद लगभग 92 किलोग्राम चमचम मिठाई को तत्काल ज़ब्त किया गया और नष्टीकरण की कार्रवाई हेतु नगर निगम की गाड़ी को सौंप दिया गया।

अल्ट्राटेक रावन सीएसआर द्वारा विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस पर सम्मान समारोह कार्यक्रम

बलौदाबाजार। अल्ट्राटेक रावन सीएसआर द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता तथा समाज में उनके योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से वरिष्ठ नागरिक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यक्षेत्र के 60 वर्ष से अधिक 120 वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।
कार्यक्रम में प्रशासनिक प्रमुख संजीव मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि वरिष्ठ नागरिक परिवार और समाज के मार्गदर्शक होते हैं। उनके अनुभव और जीवन से प्राप्त सीख युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक हैं। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सम्मान, सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान स्वरुप उपहार प्रदान किए गए तथा उनके साथ संवाद कर उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं को समझने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सेक्युरीटी डीपार्टमेंट प्रमुख राजू सिंग एवं सीएसआर प्रमुख निरुपा श्रीवास्तव की उपस्थिति रही एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में सीएसआर अधिकारी ज्योत्सना पति एवं रंजय पाण्डेय तथा टीम से जानकी यादव, हेमलता ध्रुव, सुरेन्द्र यादव, ताराचंद वर्मा, सुनिता निषाद, साहिल बांधे एवं गुमान साहू की भूमिका रही।

सावन में गूंजा हर-हर महादेव, अग्रवाल समाज ने कराया भव्य रुद्राभिषेक

12 पार्थिव ज्योतिर्लिंगों का विधिवत अभिषेक, 40-50 जोड़ों ने लिया हिस्सा

दुर्ग। सावन मास के पावन अवसर पर अग्रवाल समाज, दुर्ग की ओर से अग्रसेन भवन में भव्य रुद्राभिषेक एवं 12 पार्थिव ज्योतिर्लिंग अभिषेक का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान में अग्रवाल महिला मंडल और अग्रवाल युवा मित्र मंडल सहित समाज के बड़ी संख्या में सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

सुबह से ही अग्रसेन भवन में मंत्रोच्चारण और भगवान भोलेनाथ के जयकारों से भक्तिमय वातावरण बना रहा। कार्यक्रम में करीब 40 से 50 जोड़ों ने शामिल होकर विधि-विधान से भगवान शिव का अभिषेक एवं पूजा-अर्चना की। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष ललित सेक्सरिया ने बताया कि समाज की ओर से पिछले करीब 10 वर्षों से लगातार रुद्राभिषेक का आयोजन किया जा रहा है। कभी पूरे सावन मास तो कभी विशेष तिथियों पर यह धार्मिक आयोजन कराया जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष भी सावन मास में 12 पार्थिव ज्योतिर्लिंगों का अभिषेक कर समाज की सुख-समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की गई। उन्होंने कहा कि आयोजन का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और देश में सुख, शांति, समृद्धि एवं आपसी सद्भाव की कामना करना भी है। कार्यक्रम के दौरान भगवान भोलेनाथ से सभी के जीवन में सुख-शांति और शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई।

लोहिया पेपर मिल हादसा पीड़ित परिवार को मिला 25.51 लाख का मुआवजा

बेमेतरा। लोहिया पेपर मिल में हुए दुखद हादसे के शिकार पीड़ित परिवार के अधिकारों के लिए छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी ने एकजुट होकर आवाज उठाई। संगठन के निरंतर संघर्ष और प्रयासों के फलस्वरूप पीड़ित परिवार को न्याय एवं उचित आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। क्रांति सेना के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में पीड़ित परिवार को कुल 25,51,000 (पच्चीस लाख एकवन हजार रुपये) की सहायता राशि का भुगतान किया गया। इसमें शामिल हैं: 20,00,000 (बीस लाख रुपये) का चेक, 5,00,000 (पांच लाख रुपये) की बीमा राशि, 51,000 (इक्यावन हजार रुपये) काठी-माटी (अंतिम संस्कार/आपात) सहायता राशि। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के प्रतिनिधियों ने कहा, यह जीत छत्तीसगढ़िया समाज की एकजुटता और संघर्ष का परिणाम है। हम अपने हक और अधिकार की लड़ाई हमेशा मुस्तैदी से लड़ते आए हैं और आगे भी लड़ते रहेंगे। इस दौरान प्रमुख रूप से सूर्या चौहान (शहर अध्यक्ष, जेसीपी), निलेश साहू (जिला अध्यक्ष, छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना), खेमू साहू (शहर उपाध्यक्ष, छत्तीसगढ़िया युवा क्रांति सेना), पुरेंद्र साहू (जिला अध्यक्ष), गजेंद्र निषाद (जिला उपाध्यक्ष), सोहन परगनिहा (खंड अध्यक्ष),नंदू छत्तीसगढ़िया जिला मीडिया प्रभारी, के साथ गोपु, शिव, योगेश, प्रदीप, ललित, ओंकार, कुबेर, हरेंद्र एवं अन्य सहयोगी पदाधिकारी व सेनानी मौजूद रहे।

छात्रावासों की बदहाल व्यवस्था पर बैठक में सफाई भोजन से गुटबाजी तक

कवर्धा। जिले में संचालित आश्रम एवं छात्रावासों की व्यवस्था को लेकर 18 अगस्त को आयोजित जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक में कई गंभीर मुद्दे सामने आए। बैठक में जिला पंचायत शिक्षा समिति के अध्यक्ष, प्रभारी मंत्री के जिला प्रतिनिधि, जिला पंचायत सदस्य, विधायक प्रतिनिधि, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला खाद्य अधिकारी, प्राचार्य शासकीय कन्या शिक्षा परिसर भोरमदेव, प्राचार्य स्वामी करपात्री जी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कवर्धा, सहायक संचालक/क्षेत्र संयोजक/ सहायक लेखा अधिकारी आदिवासी विकास, छात्रावास अधीक्षक एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का उददेश्य जिले में संचालित आश्रम एवं छात्रावासों की व्यवस्थाओं की समीक्षा करना था, लेकिन जमीनी हकीकत ऐसी है कि समीक्षा के बावजूद व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हैं। जिले के कई छात्रावासों और आश्रमों में सफाई व्यवस्था बदहाल होने की बात सामने आ रही है। जहां 50 से लेकर 300 से अधिक छात्र-छात्राएं निवास करते हैं, वहां नियमित सफाई व्यवस्था के लिए पर्याप्त स्वीपर तक उपलब्ध नहीं हैं। जानकारी के अनुसार कुछ संस्थाओं में सप्ताह में केवल एक दिन स्वीपर पहुंचता है। ऐसे में बड़ी संख्या में बच्चों के रहने वाले परिसरों की नियमित साफ -सफाई किस तरह होती होगी, इसका अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। छात्रावासों में रहने वाले बच्चों के लिए भोजन व्यवस्था भी सवालों के घेरे में है। बच्चों को निर्धारित मीनू के अनुसार पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर भोजन की थाली से ही मीनू गायब होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। बैठक में भोजन के मीनू को लेकर चर्चा के दौरान सोया बड़ी का मुद्दा भी उलझन का कारण बना। सवाल यह है कि जब बच्चों के भोजन की गुणवत्ता और निर्धारित मीनू पर ही स्पष्टता नहीं बन पा रही है तो फिर सरकारी व्यवस्था की निगरानी किस स्तर पर हो रही है। बैठक में पढ़ाई-लिखाई, बच्चों के स्वास्थ्य, भोजन, साफ-सफाई, भवनों की स्थिति, मूलभूत सुविधाओं और छात्रावास संचालन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। खास तौर पर भवनों की स्थिति और बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की वास्तविकता पर गंभीरता से निगरानी की जरूरत महसूस होती है। सबसे चिंताजनक स्थिति यह रही कि बच्चों की बुनियादी सुविधाओं और छात्रावासों की व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण मुददों से आगे बढ़कर बैठक में पंडरिया विधानसभा और कवर्धा विधानसभा से जुड़े विषय भी चर्चा में आने लगे। बैठक के दौरान गुटबाजी से जुड़े स्वर सामने आना प्रशासनिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता। छात्रावास और आश्रम राजनीति का अखाड़ा नहीं, बल्कि ऐसे संस्थान हैं जहां दूरदराज और जरूरतमंद परिवारों के बच्चे रहकर शिक्षा प्राप्त करते हैं। उनके भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छता से किसी भी तरह का समझौता सीधे बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ है। ऐसे में निगरानी समिति की बैठक केवल कागजी समीक्षा तक सीमित न रहकर धरातल पर औचक निरीक्षण, नियमित सफाई, पर्याप्त स्वीपर, मीनू के अनुसार भोजन और भवनों की वास्तविक स्थिति की जांच सुनिश्चित करे।

रक्षाबंधन पर सजा राखियों का बाजार, भाई-बहन के प्रेम का पर्व मनाने को तैयार

दुर्ग/भिलाई। भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह और विश्वास का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व नजदीक आते ही दुर्ग-भिलाई के बाजार रंग-बिरंगी राखियों से सजकर तैयार हो गए हैं। शहर के प्रमुख बाजारों, दुकानों और अस्थायी राखी स्टॉलों पर राखियों की आकर्षक श्रृंखला लोगों का ध्यान खींच रही है। बहनें अपने भाइयों की पसंद के अनुसार राखियां खरीदने बाजार पहुंच रही हैं, वहीं दुकानदारों ने भी इस बार नए डिजाइन और आकर्षक वैरायटी से ग्राहकों को लुभाने की पूरी तैयारी की है। राखी बाजार में इस बार पारंपरिक राखियों के साथ आधुनिक डिजाइन की राखियों की भी खूब मांग देखने को मिल रही है। बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर, सुपरहीरो, मोटिफ और रंग-बिरंगी फैंसी राखियां उपलब्ध हैं। वहीं युवाओं के लिए स्टाइलिश, ब्रेसलेट और आकर्षक डिजाइन वाली राखियां पसंद की जा रही हैं। महिलाओं और युवतियों के बीच मोती, कुंदन, स्टोन वर्क, रुद्राक्ष और पारंपरिक कलात्मक डिजाइन वाली राखियों की मांग बनी हुई है।

बाजार में हर बजट की राखियां उपलब्ध- दुर्ग-भिलाई के बाजारों में सामान्य से लेकर प्रीमियम श्रेणी तक की राखियां उपलब्ध हैं। कम कीमत वाली साधारण राखियों से लेकर डिजाइनर और विशेष रूप से तैयार की गई महंगी राखियों तक दुकानदारों ने बड़ी रेंज रखी है। इससे हर वर्ग के ग्राहक अपनी सुविधा और बजट के अनुसार राखी खरीद सकते हैं।

भाई की पसंद का भी रखा जा रहा ध्यान- बाजार में भाइयों की पसंद को ध्यान में रखते हुए कई तरह की राखियां उपलब्ध कराई गई हैं। धार्मिक प्रतीकों, ओम, स्वास्तिक, रुद्राक्ष और भगवान शिव से जुड़ी राखियों के साथ-साथ युवाओं के लिए सिंपल और ट्रेंडी डिजाइन भी खूब पसंद किए जा रहे हैं। छोटे बच्चों के लिए आकर्षक पैकिंग और रंगीन राखियां विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

राखी के साथ गिफ्ट पैक की भी मांग- रक्षाबंधन को लेकर राखी के साथ उपहार देने का चलन भी बढ़ा है। बाजार में राखी के साथ रोली-चावल की छोटी थाली, मिठाई और गिफ्ट पैक के विकल्प भी उपलब्ध हैं। कई दुकानों पर आकर्षक पैकिंग के साथ तैयार राखी कॉम्बो ग्राहकों को पसंद आ रहे हैं। बहनें राखी के साथ भाई की पसंद की मिठाई और उपहार भी खरीद रही हैं।

दुकानदारों को कारोबार बढ़ने की उम्मीद- रक्षाबंधन को लेकर बाजार में बढ़ी चहल-पहल से दुकानदारों में भी उत्साह है। राखी विक्रेताओं का कहना है कि पर्व के करीब आते ही ग्राहकों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। शहर के प्रमुख बाजारों में राखी की दुकानें और स्टॉल सज गए हैं। शाम के समय बाजारों में खरीदारी के लिए पहुंचने वाले लोगों की संख्या बढ़ने से पर्व का उत्साह साफ नजर आ रहा है।

रक्षाबंधन केवल राखी बांधने का पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी को मजबूत करने का अवसर भी है। यही वजह है कि इस पर्व को लेकर हर उम्र के लोगों में उत्साह देखने को मिल रहा है। बाजार की रौनक और राखियों की रंगीन दुनिया ने दुर्ग-भिलाई में रक्षाबंधन के आगमन का एहसास कराना शुरू कर दिया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com